मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 112 ■ मंगलवार, 15 जुलाई 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

मिस्ट्री मैन के साथ नजर आईं उर्वशी

कर्ज में डूबे युवक ने की आत्महत्या

- आनलाइन वाइल्ड रम्मी खेलकर गंवाए लाखों रुपए
- हाजीमलंग के कुशीवली गांव के पास किया आत्मदाह
- बाइक से पेट्रोल डालकर खुद को लगा ली आग

कल्याण. हाजीमलंग के पास कुशवली गांव में सोमवार सुबह एक युवक ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक युवक का नाम किरण कृष्ण परब (25) है और वह शंकर यादव, निवासी चाल 1, कमरा नं. 5, संतोष नगर, तीसगांव में रहता था। प्रारंभिक अनुमान यह है कि ऑनलाइन गेमिंग के कारण वह कर्ज में डूब गया था. यह घटना हिललाइन पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि उसने आत्महत्या क्यों की, क्योंकि किरण के साथ उसका मोबाइल फोन भी जल गया था।

किरण परब अपने परिवार के साथ कल्याण पूर्व के संतोष नगर इलाके में रहते थे। हिललाइन पुलिस ने उसके परिवार को इसकी सूचना दे दी है और उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल भेज दिया गया है। किरण के परिवार में उसके माता-पिता और बहन हैं। पुलिस ने बताया है कि उनके पिता कृष्ण परब स्ट्रोक के बाद घर पर हैं।

सूत्रों के अनुसार किरण पर एक निजी बैंक से 3 लाख 50 हजार रुपए का कर्ज था। उन्होंने 10 लाख रुपये का कर्ज भी लिया था। उन्होंने अपनी मां के आभूषणों पर 1.5 लाख रुपये का कर्ज लिया था. किरण को ऑनलाइन गेम खेलने का शौक था। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि इसके कारण वह कर्ज में डूब गया होगा और प्रारंभिक अनुमान यह है कि इसी कर्ज के कारण उसने आत्महत्या की होगी। हालाँकि अभी तक किसी ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

किरण सोमवार सुबह करीब 4 बजे घर से निकला और कुशिवली गांव में झरना क्षेत्र में चला गया. इसके बाद उसने अपनी बाइक से पेट्रोल अपने ऊपर डालकर आग लगाकर आत्महत्या कर ली। क्षेत्र में आग की लपटें दिखाई देने पर स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना दी। पुलिस ने बताया कि वे मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पा लिया। पुलिस ने इस मामले में आगे की जांच शुरू कर दी है।

फिर्यादी महिला ने ही रची थी डकैती की साजिश

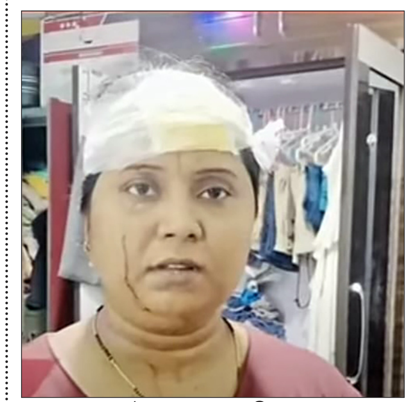

- खुद को घायल भी किया था
- साथीदार चोर पकड़ा गया

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व शिवगंगा नगर में जो फ्लैट मं डकैती हुई थी. इस डकैती का प्लान स्वतः उस फ्लैट की निवासी महिला एवं उसके साथीदार चोर रविराज कसबे ने मिलकर बनाया था. कर्ज चुकाने की गरज से प्लान बनाया गया था. लेकिन अचानक महिला का देवर फ्लैट में आ गया. उसने प्रतिकार किया तो उसके सर पर हथौड़ा मारकर उसे घायल करके महिला ने घर रखे कांच का ग्लास फोड़कर अपने आपको सर पर मारकर घायल कर लिया था.

विदित हो कि महिला का देवर गणेश गायकवाड़ गूंगा और बहरा है. पुलिस को पहले से ही शक था कि इस चोरी में कुछ तो दाल में काला है. चोर रवि राज ने घर से 7 लाख 87 हजार की चोरी करके पनवेल चला गया. उसे उल्हासनगर क्राइम ब्रांच घटक 4 ने 12 घंटे के भीतर पकड़ लिया था. उसने इस चोरी के बारे में पुलिस को कबूली बयान भी दिया है. महिला रुचि गायकवाड़ ने ही साथीदार रविराज कसबे की मदद से साजिश रच कर चोरी करवाया. खुद को कांच मारकर घायल किया. पुलिस में शिकायत करके पत्रकारों को बयान भी दिया. अब राज खुल गया है. चोरी की साजिश में महिला को भी जेल की हवा खानी पड़ेगी. इस महिला ने पुलिस को भी परेशानी में डाल दिया था. स्वतः पुलिस उपायुक्त, सहायक आयुक्त ने घटना स्थल का जायजा लिया था. परिसर में भी डर का माहौल देखा गया. कर्जदार महिला ने साथीदार से अपने ही घर में चोरी करवाई थी.

नेहरू चौक स्थित पंडित नेहरू स्मारक की दयनीय स्थिति

उल्हासनगर. शहर के सबसे भीड़भाड़ वाले इलाके कैंप क्रमांक 2 स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मारक की दयनीय स्थिति इस समय चर्चा का विषय बनी हुई है। यह साफ तौर पर दिखाई दे रहा है कि मनपा प्रशासन ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री और देश के लिए अतुल्य योगदान देने वाले व्यक्ति के स्मारक की पूरी तरह उपेक्षा की है।

मुख्य बाजार स्थित नेहरू चौक क्षेत्र दिन-रात व्यापारियों से गुलजार रहता है। इस क्षेत्र में कपड़े, बर्तन, पटाखे बेचने वाली दुकानों और होटलों का एक बड़ा नेटवर्क है, और कांग्रेस भवन भी इसी चौक में स्थित है। कांग्रेस पदाधिकारियों के नियमित रूप से यहाँ आने के बावजूद, स्मारक की सफाई और रखरखाव न होने की तस्वीरें सामने आई हैं। स्मारक के चारों ओर उगी घास, जमा कचरा और उपेक्षित क्षेत्र इसका जीता जागता उदाहरण हैं।

उल्हासनगर शहर में महापुरुषों, संतों और स्वतंत्रता सेनानियों के लगभग 25 स्मारक हैं और ज़्यादातर जगहों पर इसी तरह की लापरवाही देखने को मिलती है। इन सब को देखते हुए, शहर के ऐतिहासिक और प्रेरणादायक स्मारकों के प्रति मनपा की गंभीर उदासीनता उजागर हुई है।

इस पृष्ठभूमि में, उल्हासनगर कांग्रेस अध्यक्ष रोहित साल्वे ने कहा, बारिश के कारण कुछ दिनों तक स्मारक तक पहुँचना संभव नहीं था। हालाँकि, हम रविवार को स्वयं सफाई अभियान चलाएँगे। नागरिक भी स्मारकों के प्रति सम्मान बनाए रखने और शहर की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए नगर निगम पर दबाव बनाने की आवश्यकता व्यक्त कर रहे हैं।

उल्हासनगर में खस्ता हालत सड़कों से गुस्साए युवाओं ने भरे शहर के गड्ढे

लोगों में बांटे बाम / आयलानी केवल ठेकेदार और बिल्डर के लिए करते हैं कार्य- पंकज

- नाकाम विधायक आयलानी हैं शहर की खस्ता हालत के जिम्मेदार- पंकज तिलोकानी

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर की खस्ता हालत सड़कों से इन दिनों आम नागरिक काफी ज्यादा त्रस्त हैं ऐसे में उल्हासनगर मनपा के पैनल 5 में युवा नेता पंकज तिलोकानी ने आम जनता से साथ मिलकर शहर के गड्ढों को भरने का कार्य किया और विधायक व मनपा प्रशासन शर्म करो-शर्म करो के नारे लगाए। युवा नेता पंकज तिलोकानी ने कहा कि विधायक कुमार आयलानी पूरी तरह से नाकाम साबित हुए हैं क्योंकि करोड़ों रुपए जो शहरों की मरम्मत के लिए खर्च करने चाहिए वो ठेकेदारों और बिल्डरों को फायदा पहुंचाने के लिए खर्च किए जा रहे हैं शहर का कोई विकास कार्य नहीं हो रहा है। इसलिए हमने यह आंदोलन किया है ताकि वो नींद से जागे और शहर की खस्ता हालत सड़कों को जल्द से जल्द बनाए। युवा नेता ने कहा कि इस आंदोलन के बाद मुझे कैम्प 1 से 5 तक कई व्यापारियों ने अपना सहयोग दिया है। अगर यह सड़कें ठीक नहीं हुई तो शहर की आम जनता अब जनआंदोलन के मूड में आ गई है। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की ओर जा रहा था तो दूसरी ओर यहां उल्हासनगर के भाजपाई शहर का सत्यानाश करने में लगे हुए हैं ऐसा आम जनता का कहना था। पंकज तिलोकानी के साथ कई महिलाओं ने भी इस आंदोलन में शिरकत की।

देशी पिस्तौल के साथ अपराधी गिरफ्तार

उल्हासनगर. आपराधिक इतिहास वाला एक सजायाफ्ता अपराधी, जो दो वर्षों से तड़ीपार था, न्याय प्रणाली के आदेशों की अवहेलना करते हुए उल्हासनगर में घूमता हुआ पकड़ा गया. दिलचस्प बात यह है कि उसके पास पिस्तौल होने की सूचना मिलने पर विट्ठलवाड़ी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से एक देशी पिस्तौल भी जब्त कर ली गई। अविनाश नायडू (निवासी मद्रासी पाड़ा, उल्हासनगर) गिरफ्तार आरोपी का नाम है.

अविनाश नायडू को कई गंभीर आपराधिक मामलों में दोषी पाए जाने के कारण जुलाई 2024 में दो साल के लिए निर्वासित कर दिया गया। हालाँकि, निर्वासन आदेश

की अवहेलना करते हुए अविनाश नायडू ने फिर से विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर घूमना शुरू कर दिया।

इस संबंध में अपराध जांच दल के पुलिस अधिकारी मंगेश वीर को गुप्त सूचना मिलने के बाद वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल पडवाल के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक हर्षल कुलकर्णी की टीम ने तुरंत जाल बिछाकर अविनाश नायडू को गिरफ्तार कर लिया।

फर्जी डॉक्टर का पर्दाफाश

- कोर्ट के आदेश पर 4 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया

उल्हासनगर. उल्हासनगर कैंप 4 के एक फर्जी डॉक्टर द्वारा 6 साल से चलाए जा रहे अवैध मेडिकल प्रैक्टिस का पर्दाफाश हुआ है और कोर्ट के आदेश पर फर्जी डॉक्टर और तीन अन्य डॉक्टरों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। गंभीर आरोप हैं कि इन चारों ने कोरोना जैसी विकट परिस्थिति में भी नागरिकों को ठगने की साजिश रची और इस घटना से चिकित्सा क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। उल्हासनगर कैंप 4 में एसएसटी कॉलेज के पास 'श्री साईं क्लिनिक' नामक एक निजी क्लिनिक में श्रीकृष्ण कुमावत नाम का एक व्यक्ति 2018 से बिना लाइसेंस के मरीजों का इलाज कर रहा है। यह व्यक्ति 'डॉक्टर' होने का नाटक कर रहा था, जबकि उसके पास कोई मेडिकल लाइसेंस नहीं था।

गौरतलब है कि उन्होंने डॉ. चंदर रोहरा, डॉ. अरुण भाकरे और डॉ. सुरेश पिलारे के नाम पर मरीजों का इलाज करने का आरोप लगाया है। इस प्रकार की शिकायतों के खिलाफ डॉ. राकेश गजरे ने समय-समय पर कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के स्वास्थ्य विभाग में शिकायत दर्ज कराई थी। जांच के दौरान स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि श्रीकृष्ण कुमावत केवल कंपाउंडर का काम कर रहा था। हालांकि, गजारे ने कुमावत मरीजों की जांच करने का वीडियो साक्ष्य पेश करके खुद को फर्जी डॉक्टर साबित कर दिया।

स्व ास्थ्य विभाग ने पहले ही कुमावत को परीक्षण न कराने की लिखित चेतावनी जारी कर दी थी। लेकिन उन्होंने फिर भी इसका उल्लंघन किया और अपने क्लिनिक में मरीजों की जांच जारी रखी। इस पृष्ठभूमि में, डॉ. गजारे अदालत पहुंचे। उनकी दलीलों पर संज्ञान लेते हुए अदालत ने विट्ठलवाड़ी पुलिस को डॉ. श्रीकृष्ण कुमावत को गिरफ्तार करने का आदेश दिया। डॉ. रोहरा, डॉ. भाकरे और डॉ. पिलारे के खिलाफ मामला दर्ज करने का आदेश जारी किया गया। विट्ठलवाड़ी पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भाऊ परसराम झूलेलाल मंदिर का चालिहा व्रत 16 से

उल्हासनगर. हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सिंधी समुदाय के इष्टदेव भगवान झूलेलाल की पूजा करने हेतु जो चालीस दिन का व्रत धारण किया जाता है वह पूज्य चालिहा साहिब व्रत भाऊ परसराम झूलेलाल मंदिर उल्हासनगर-1 में 16 जुलाई से प्रारंभ होने जा रहा है।

समस्त सिंधी समाज को इस मंदिर के हर्ता कर्ता और भाऊ परसराम झूलेलाल मंडली के प्रमुख भाऊ लीलाराम ने विनंती की है कि चालिहा व्रत के दौरान मंदिर आकर भगवान झूलेलाल के दर्शन करें और जिन लोगों को लालसाई जी का बहराणा करवाना हो वे भाऊ लीलाराम जी से मंदिर में आकर संपर्क कर सकते हैं।

फर्नीचर मार्केट में यातायात पुलिस ने 140 वाहनों के काटे ऑनलाइन चालान

- डेढ़ लाख का जुर्माना
- यातायात विभाग की सख्त कार्रवाई

उल्हासनगर. उल्हासनगर के कैंप क्रमांक 3 स्थित फर्नीचर मार्केट क्षेत्र में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। शहर यातायात नियंत्रण शाखा द्वारा चलाए गए विशेष अभियान में 140 वाहनों के ऑनलाइन चालान काटे गए और कुल एक लाख 17 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।

यातायात विभाग के अधिकारी मनीष राजे पठाने के मार्गदर्शन में पुलिस अधिकारी गिरमे, चीते, पंधारे और बेंद्रे की टीम ने यह कार्रवाई की। फर्नीचर मार्केट क्षेत्र में डबल पार्किंग और टेम्पो चालकों द्वारा मुख्य सड़क पर सीधे सामान चढ़ाने-उतारने से लगातार यातायात जाम हो रहा था। स्थानीय नागरिकों द्वारा समय-समय पर इसकी शिकायत किए जाने के बाद यह विशेष अभियान चलाया गया।

कार्रवाई के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कदम उठाए गए और क्षेत्र में अनुशासन लागू किया गया। इस पृष्ठभूमि में, मनीष पठाने ने नागरिकों से यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने और अपने वाहनों को केवल अधिकृत पार्किंग स्थलों में ही पार्क करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए भविष्य में भी इस तरह के अभियान लगातार चलाए जाएँगे।

नदी में ड्रब जाने से किशोर की मौत

भिवंडी. कामवारी नदी में अपने दोस्तों के साथ तैरते समय 14 वर्षीय एक लड़के की डूब जाने से मौत हो गई. अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी.

अधिकारी ने बताया कि मृत लड़के की पहचान भिवंडी शहर निवासी सूरज तिवारी के रूप में हुई है. वह अपने दोस्तों के साथ नदी में उतरा और डूब गया. अधिकारी ने बताया कि स्थानीय पुलिस और दमकल कर्मियों ने उसे ढूंढने के लिए तलाश शुरू की और रविवार शाम तक उसका शव बरामद कर लिया गया.

उन्होंने बताया कि पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर लिया गया है.

सरकार के फैसले का व्यापारियों ने किया विरोध

- राज्य भर में बार और परमिट रूम बंद
- भाजपा से मदद की गुहार

कल्याण. महाराष्ट्र सरकार द्वारा शराब पर मूल्य वर्धित कर (वैट), उत्पाद शुल्क और लाइसेंस शुल्क में वृद्धि के विरोध में डोंबिवली होटल मालिक संघ ने सोमवार को एक दिवसीय हड़ताल का आह्वान किया। कल्याण डोंबिवली के लगभग 500 होटल और बार संचालकों और परमिट रूम संचालकों ने इस हड़ताल में भाग लिया। होटल व्यवसायियों ने सोमवार को इस संबंध में एक बैठक आयोजित की थी। संघ के अध्यक्ष अजीत शेट्टी ने कहा कि हमारी मांग है कि सरकार इस बढ़े हुए कर को रद्द करे और हम भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण से मिलकर उन्हें एक ज्ञापन सौंपेंगे।

सरकार के मितव्ययिता उपायों के खिलाफ राज्य भर के होटल और बार संचालकों ने हड़ताल का आह्वान किया है। राज्य भर के लगभग 20 हजार होटल और बार संचालकों ने इस हड़ताल में भाग लिया है, जिसमें डोंबिवली के 150 होटल, बार और परमिट रूम संचालक और कल्याण क्षेत्र के लगभग 350 संचालक शामिल हैं। होटल मालिक संघ, डोंबिवली द्वारा आहूत हड़ताल में होटल और बार मालिकों के शामिल होने के कारण शहर के सभी बार और होटल बंद कर दिए गए हैं। सोमवार को मॉडर्न प्राइड होटल में होटल और बार मालिकों की एक बैठक हुई।

बैठक में संघ के अध्यक्ष अजीत शेट्टी, सचिव सत्येश शेट्टी, सुकुमार नायक, प्रभाकर शेट्टी, राजू भंडारी, किशोर शेट्टी, विजित शेट्टी, पूर्व अध्यक्ष विट्ठल शेट्टी, सचिन शेट्टी और सभी सदस्य उपस्थित थे। व्यापारियों ने कर वृद्धि से होने वाली समस्याओं को संघ के समक्ष रखा। इस कर वृद्धि से होटल और बार व्यवसायियों को भारी नुकसान होगा।

साथ ही, छोटे-बड़े व्यवसायियों और कर्मचारियों को भी इससे नुकसान होगा। अध्यक्ष अजीत शेट्टी ने कहा कि इस कर वृद्धि को रद्द करने के लिए हम भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण को एक ज्ञापन सौंपेंगे। साथ ही, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे को भी ध्यान दिलाने के लिए एक ज्ञापन सौंपेंगे।

राज्य सरकार ने शराब की बिक्री पर वैट 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर दिया है, लाइसेंस शुल्क में 15 प्रतिशत की वृद्धि की है और भारत में निर्मित विदेशी शराब पर उत्पाद शुल्क में 60 प्रतिशत की वृद्धि की है। होटल मालिक संघ, डोंबिवली ने मांग की है कि इस कर वृद्धि को रद्द किया जाए। इस कर वृद्धि का विरोध करने और सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए, बार और होटल व्यवसायियों ने आज बार बंद रखे हैं। सचिव सत्येश ने कहा कि अगर यह कर वृद्धि बढ़ाई जाती है, तो होटल व्यवसायियों को नुकसान होने और बार बंद होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

साथ ही, होटल व्यवसायी गिरीश शेट्टी ने कहा कि परमिट रूम पर वैट में 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। परमिट रूम और शराब की दुकानों पर कर में 70 प्रतिशत का अंतर है। इसके कारण, कल ग्राहक पार्कों, रिक्शा और सड़कों के किनारे खुलेआम शराब पीते नजर आएंगे। ऐसा होने से रोकने के लिए, उन्होंने कहा कि सरकार को समय पर कर वृद्धि के खिलाफ सही निर्णय लेने की आवश्यकता है।

अंबरनाथ राशनिंग दुकानों में नागरिकों को फंसाया जा रहा

समस्या जल्द हल नहीं हुई तो अधिकारियों, दुकानदारों का मुंह काला करेंगे -राजेंद्र वालेकर

अंबरनाथ. अंबरनाथ में राशनिंग दुकानदार बड़े पैमाने पर राशन की कालाबाजारी करने के लिए लोगों को विशेषतक अज्ञान महिलाओं को चार किलो के बजाय केवल एक किलो अनाज दे रहे हैं. ऐसी शिकायतें महिलाओं द्वारा पूर्व उपनगराध्क्ष राजेंद्र वालेकर को की गई है. राजेंद्र वालेकर ने राशनिंग दुकानदारों एवं राशनिंग अधिकारियों को चेतावनी दी है कि शहर में विशेष करके खुंटवली, भास्कर नगर, बुवापाड़ा में अगर जल्द ही नागरिकों को फंसाना बंद नहीं किया गया एवं इस समस्या का हल नहीं निकाला गया तो शिवसेना स्टाइल में वह आंदोलन छेड़ देंगे. लोगों को हर माह दिया जा वाला राशन का अनाज पूरी तरह से ना देते हुए दुकानदार अनाज की कालाबाजारी कर रहे हैं. गरीब और अशिक्षित महिलाओं, नागरिकों का फायदा राशन दुकानदार उठा रहे हैं. चार किलो अनाज के बदले एक किलो अनाज दिया जा रहा है. वालेकर ने हमें बताया कि एक राशनिंग अधिकारी ने स्वतः ये स्वीकार किया है कि कुछ राशनिंग दुकानदार लोगों को पूरा अनाज नहीं दे रहे हैं. उसका आडियों क्लिप उनके पास है. उन्होंने कहा कि अगर जल्द ही इस मसले का हल नहीं निकाला गया तो वह अधिकारी एवं दुकानदारों का मुंह काला करेंगे. शिवसेना शहर प्रमुख अरविंद वालेकर के मार्गदर्शन में राशनिंग कार्यालय पर अंबरनाथ शहर के लोगों का एक विशाल मोर्चा निकाला जाएगा. ऐसा राजेंद्र वालेकर ने कहा है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्लास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

हिंसक होते जा रहे छात्र

इससे बड़ी विडंबना और क्या हो सकती है कि जिन बच्चों को देश और समाज का भविष्य माना जाता है, आज उनमें से कई इस रूप में सामने आ रहे हैं जिसके समाज पर व्यापक प्रतिगामी प्रभाव पड़ने वाले हैं। मौजूदा समय में बच्चों के बीच पलती-बढ़ती हिंसा के कई बार चिंताजनक रूप में अभिव्यक्त होने की घटनाओं को इक्का-दुक्का बता कर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन यह ध्यान रखने की जरूरत है कि नकारात्मक प्रवृत्तियां कोमल मन-मस्तिष्क वाले बच्चों के बीच तेजी से अपनी जगह बनाती हैं और उसका व्यापक असर समाज पर पड़ता है। सवाल है कि पिछले कुछ वर्षों में ऐसा क्या हुआ है कि जिन बच्चों की उम्र पढ़ने और खेलने की होती है, घर-परिवार से लेकर स्कूल तक के अग्रजों, अभिभावकों, बुजुर्गों, शिक्षकों की सलाह से एक बेहतर भविष्य की ओर कदम बढ़ाने की होती है, वे किसी मामूली बात पर बेकाबू हो रहे हैं। कुछ बच्चे साधारण बातों पर आक्रामक होकर प्रतिक्रिया देने लगे हैं या उनमें से कई अपनी बेहतरी के लिए खुद में सुधार करने की सलाह देने वाले शिक्षक की हत्या करने से भी नहीं हिचकते हैं।

गौरतलब है कि हरियाणा के हिसार में पिछले हफ्ते एक स्कूल के प्रधानाचार्य की वहीं पढ़ने वाले दो बच्चों ने चाकू मार कर हत्या कर दी। खबरों के मुताबिक, इसका कारण सिर्फ यह था कि प्रधानाचार्य ने उन बच्चों को अपने लंबे बाल कटवाने और स्कूल में अनुशासन का पालन करने को कहा था। यह एक सामान्य बात रही है कि स्कूलों के अध्यापक न केवल कक्षाओं में पढ़ाते हैं, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व को बेहतर बनाने के लिए जरूरी सलाह भी देते रहे हैं।

इसका समाज पर बेहद सकारात्मक असर भी साफ दिखता था। मगर आज इन्हीं बातों पर कुछ छात्र प्रतिक्रिया में आपराधिक रास्ता तक अख्तियार कर ले रहे हैं। क्या यह स्मार्टफोन या अन्य संसाधनों के जरिए आभासी संसार में डूबे रहने की बढ़ती अवधि और अन्य कुछ वजहों से सोचने-समझने की प्रक्रिया के शिथिल होने का नतीजा है कि बच्चों के भीतर हिंसक प्रवृत्तियों का विकास हो रहा है और वे अपने हित को लेकर विवेक के उपयोग को लेकर उदासीन हो रहे हैं? जाहिर है, यह समय रहते समूचे समाज के लिए चेतने और जरूरी पहल करने का वक्त है।

मतदाता सूची के सत्यापन पर व्यर्थ का शोर

अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त एअर इंडिया के विमान की आरंभिक जांच रिपोर्ट जवाब से कहीं अधिक सवाल उठाने वाली है। अहमदाबाद से लंदन के लिए जा रही उड़ान संख्या एआइ 171 की दुर्घटना से जुड़ी यह रिपोर्ट पहली नजर में ही पूर्वाग्रह से ग्रस्त दिखती है। इसमें किसी न किसी तरह पूरा दोष उन पायलटों पर मढ़ने का प्रयास है, जो इस हादसे में मारे गए। तथ्यात्मक रूप से रिपोर्ट यही बताती है कि टेक ऑफ यानी उड़ान भरते समय इंजन बंद हो गए थे।

ऐसी स्थिति में रैट-रैम एयर टरबाइन स्वाभाविक रूप से सक्रिय हो जाता है। रैट असल में एक आपातकालीन उपकरण है, जो विमान के दोनों इंजनों के बंद होने की स्थिति में आवश्यक ऊर्जा प्रदान करता है। इसमें विमान की गति से चलने वाली हवा के उपयोग से ही ऊर्जा उत्पन्न होती है। रैट फ्यूल स्विच/वाल्व को कट ऑफ करने की स्थिति में सक्रिय नहीं होता। वैसे भी पायलट इतने मूर्ख नहीं होते कि दोनों इंजनों के फेल हो जाने की स्थिति में फ्यूल को कट ऑफ कर दें। फ्यूल कट ऑफ का तर्क तभी गले उतरता है, जब अंतिम उपाय के रूप में अपनी जान बचाने के लिए पायलट इंजनों को दोबारा चालू करने का प्रयास करते हैं।

प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में चालक दल की आपसी बातचीत को लेकर रहस्य बुनने की मंशा भी बहुत चौंकाने वाली है। यह असंभव सी बात है कि ऐसी आपात स्थिति के दौरान काकपिट में कोई हलचल न हुई हो। ऐसी परिस्थितियों में वहां इतनी शांति कैसे हो सकती है।

जाहिर है कि कुछ पहलुओं को जानबूझकर छिपाने का प्रयास किया जा रहा है। जिस तरह रिपोर्ट लिखी गई है उसका भाव यही संकेत करता है कि यह कुछ और नहीं, बल्कि विमान दुर्घटना के लिए पायलटों को दोषी ठहराने का गुप्त प्रयास है।

इसके अलावा यह भी समझ से परे है कि जब जांच के किसी ठोस नतीजे पर पहुंचने में अभी और तीन माह से लेकर एक साल तक का समय लग सकता है तो फिर बोइंग एवं इंजन बनाने वाली कंपनी जीई को क्यों संदेह के दायरे से दूर रखा जा रहा है? फिर इस जांच रिपोर्ट को रात करीब दो बजे जारी करने का क्या तुक, जब इस दुर्घटना से सर्वाधिक प्रभावित भारत और ब्रिटेन जैसे देशों में कामकाज करीब-करीब बंद हो जाता है।

पायलट, सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम और उससे जुड़े पेशेवरों के अलावा आडिटर और जांचकर्ताओं के लिए किसी उड़ान के दो सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव टेक ऑफ और लैंडिंग होते हैं। इस दौरान पूरा ध्यान विमान को करीब 2000 फीट तक मैनुअली उड़ाने पर होता है, जिसके लिए हाथ से ही सभी उपकरणों को चलाना पड़ता है। उसके बाद ही विमान आटो-पायलट की अवस्था में आ सकता है। थ्रस्ट सेटिंग भी मैनुअल होती है और इस कवायद में पूरा फोकस विमान से जुड़ी अहम नियंत्रक प्रणालियों पर होता है।

चूंकि यह रिपोर्ट एक व्यापक परिचालन वाले बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान से जुड़ी है तो पूरी दुनिया के लिए उसके गहरे निहितार्थ हैं। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि फ्यूल वाल्व-स्विच कट ऑफ यानी निष्क्रिय कर दिए गए थे। इसके दूर-दूर तक कोई आसार नहीं दिखते कि कोई भी पायलट विशेष रूप से टेक ऑफ के दौरान और जब उसे सबसे अधिक थ्रस्ट की जरूरत होगी, तब वह फ्यूल स्विच से कोई छेड़छाड़ करेगा। इस दौरान अमूमन काकपिट के फ्रंट पैनल में लगे लैंडिंग गीयर उठाने या फ्लैप्स उठाने पर जोर रहता है। ऐसे में अगर फ्यूल वाल्व-स्विच को कट ऑफ स्थिति में ले जाने के लिए वापस मोड़ने की वजह बताई जाए तो यह गहन जांच का विषय है।

फ्यूल वाल्व/स्विच पर संकेतक होता है कि इसमें विसंगति हो सकती है। अमेरिका के संघीय विमानन प्रशासन-एफएए ने यह माना भी है। एफएए ने 2018 में वायु परिवहन के मोर्चे पर एक चेताने वाले बुलेटिन में कहा था कि कुछ ऐसे मामले में सामने आए हैं, जिनमें फ्यूल स्विच अपने आप ही कट ऑफ स्थिति में चला गया। इनमें जापान और यूरोपीय विमानन सेवाओं से जुड़े मामलों का संदर्भ भी था।

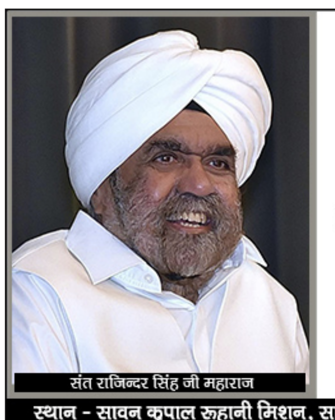

आध्यात्मिक प्रेम कभी भी खत्म नहीं होता।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

अहमदाबाद विमान हादसे के अनसुलझे सवाल

गुजरात के अहमदाबाद में बीते जून माह में हुए विमान हादसे की प्रारंभिक जांच में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। रपट में कहा गया है कि दुर्घटना से ठीक पहले विमान के दोनों इंजन में ईंधन पहुंचाने वाले स्विच बंद हो गए थे, जिससे पायलटों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। भ्रम इस बात का कि स्विच किसने बंद किए। यह तकनीकी खराबी के कारण हुआ या किसी की गलती से, रपट में इसका कोई उल्लेख नहीं है। यानी हादसे के एक कारण का तो पता चल गया, लेकिन इस कारण के पीछे असल वजह क्या थी, यह सवाल अब भी अनुत्तरित है।

एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान में सवार 242 लोगों में से एक को छोड़कर बाकी सभी की इस हादसे में मौत हो गई थी। इस दुर्घटना के बाद कई सवाल खड़े हुए हैं, जिनका जवाब इसलिए भी तलाशना जरूरी है, ताकि भविष्य में ऐसी किसी बड़ी त्रासदी को रोकने के पुख्ता बंदोबस्त किए जा सकें।

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआइबी) की रपट के अनुसार, एअर इंडिया के इस विमान के उड़ान भरने के कुछ ही क्षण बाद इसके दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच (जिनका उपयोग इंजनों को बंद करने के लिए किया जाता है) अचानक बंद हो गए थे। इसकी पुष्टि

घटना के वक्त 'काकपिट वायस रेकार्डिंग' में पायलट और सह-पायलट की आपसी बातचीत से हुई है। जांच रपट में कहा गया है कि बातचीत के दौरान एक पायलट ने दूसरे से पूछा कि ईंधन की आपूर्ति क्यों बंद की गई, तो जवाब मिला कि उन्होंने ऐसा नहीं किया। इससे साफ है कि हादसे से पहले विमान के दोनों इंजन ने काम करना बंद कर दिया था।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच एक साथ बंद कैसे हो गए। नियमानुसार उड़ान से पहले विमान की तकनीकी जांच की जाती है और सभी मानकों पर संतोषजनक रपट के बाद ही उड़ान की अनुमति दी जाती है। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वभाविक है कि अगर एअर इंडिया के इस विमान में कोई तकनीकी खराबी थी, तो वह उड़ान से पहले की जांच के दौरान पकड़ में क्यों नहीं आई? हादसे की आगे की जांच में इन आशंकाओं से जुड़े सवालों को भी शामिल करने की जरूरत है।

जांच रपट का दूसरा पहलू यह है कि कहीं अनजाने में पायलट की गलती से ईंधन नियंत्रण स्विच बंद तो नहीं हुए थे! हालांकि, रपट में विमान के पायलटों की गलती की ओर स्पष्ट रूप से कोई संकेत नहीं किया गया है। वहीं, विमानन क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि पायलटों द्वारा ईंधन स्विच को अनजाने में चालू या बंद करने की संभावना बहुत कम होती है, क्योंकि स्विच में एक छोटा 'मैकेनिकल गेट' लगा होता है। रपट में कहा गया है कि दोनों पायलटों ने इंजनों को फिर से चालू करने की कोशिश की, लेकिन एक इंजन ही ठीक हो पाया, जबकि दूसरा गति बढ़ाने के लिए पर्याप्त ऊर्जा उत्पन्न नहीं कर पाया।

यानी पायलटों ने उस नाजुक घड़ी में हार नहीं मानी थी और उन्होंने वह हर कोशिश की जो संभव थी। इसके अलावा विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने इस हादसे के पीछे किसी साजिश की आशंका को भी अभी तक दरकिनार नहीं किया है। वैसे भी जिस तरह से यह पूरा घटनाक्रम सामने आया है, उसमें हर पहलू की गहन जांच होनी चाहिए और हर जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए।

2 हजार की आबादी वाले गांव में 21 श्मशान

जरा हट के

छतरपुर शहर से 29 किलोमीटर दूर एक ऐसा अजब-गजब गांव बसा है जिसकी पहचान जिले में अनोखे तरीके से होती है. दरअसल, महाराजपुर से लगा नेगुंवा गांव जहां सभी समाज के अलग-अलग शमशान बने हुए हैं. 2 हजार की आबादी वाले इस गांव में 21 शमशान बने हैं.

नगर निगम से भी ज्यादा गांव में बनें श्मशान

नेगुवां गांव की आबादी भले ही 2 हजार हो लेकिन श्मशानों की संख्या, नगर पालिका और नगर पंचायत से भी अधिक है.

हर जाति का अपना अलग श्मशान

गांव के बुजुर्ग मथुरा प्रसाद तिवारी और शंभू दयाल तिवारी ने बताया कि गांव में सेन, बढ़ई, लोहार और साहू समाज के एक-एक श्मशान हैं जबकि यादव समाज के 3 हैं. कुशवाहा समाज के भी 3 हैं. अहिरवार समाज और रजक समाज के दो-दो श्मशान बने हुए हैं. वही ब्राह्मण समाज के 9 शमशान बने हैं.

गांव के बसने के समय से बनें हैं श्मशान

ग्रामीण बताते हैं कि यह सभी श्मशान गांव बसने के समय से ही बने हैं. इनमें से तीन श्मशान तो सरकारी राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज हैं. बाकी के श्मशान निजी जगह में बने हुए हैं.

निजी जमीन पर बने हैं श्मशान

ग्रामीण बताते हैं कि कुछ परिवारों के तो अपने-अपने श्मशान हैं. जैसे बलराम पाठक परिवार का श्मशान ढिगपुरा निवास पर सड़क किनारे निजी जमीन पर है. वहीं देवीदीन पाठक के परिवार का श्मशान भी निजी जमीन पर बना है. ऐसे ही तमाम परिवार हैं जिनके खुद की जमीन पर श्मशान बने हुए हैं. बता दें, नेगुवां गांव गुंदारा ग्राम पंचायत के अंतर्गत आता है और इस गुंदारा ग्राम पंचायत की आबादी लगभग 5 हजार है.

फ्राइड आलू चाट

बारिश का मौसम हो और गरमागरम कुछ चटपटा खाने का मन न करे, ऐसा तो हो ही नहीं सकता! ऐसे में, अगर आपको आलू चाट मिल जाए, तो मजा दोगुना हो जाता है, लेकिन आज हम बात करेंगे फ्राइड आलू चाट की, जो बनाने में बेहद आसान है और स्वाद में लाजवाब! आइए, बिना देर किए जानते हैं इसकी सिंपल रेसिपी।

सामग्री :

- तेल: तलने के लिए
- आलू: 4-5
- प्याज: 1 छोटा
- टमाटर: 1 छोटा
- हरी मिर्च: 1-2
- हरा धनिया: 2 बड़े चम्मच
- नींबू का रस: 1 चम्मच
- चाट मसाला: 1 चम्मच
- भुना जीरा पाउडर: आधा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर: आधा चम्मच (स्वादानुसार)
- नमक: स्वादानुसार
- इमली की चटनी: 2 चम्मच
- हरी चटनी: 2 चम्मच
- दही: 2 चम्मच

विधि :

सबसे पहले एक कड़ाही में तेल गरम करें। जब तेल गरम हो जाए, तो उबले हुए आलू के टुकड़ों को सुनहरा और कुरकुरा होने तक तल लें। इन्हें टिशू पेपर पर निकाल लें ताकि एक्स्ट्रा ऑयल निकल जाए।

इसके बाद एक बड़े कटोरे में तले हुए आलू लें। अब इसमें बारीक कटा प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और हरा धनिया डालें।

अब इसमें चाट मसाला, भुना जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं। आखिर में नींबू का रस निचोड़ें और एक बार फिर सब कुछ अच्छे से मिला दें।

आपकी गरमागरम फ्राइड आलू चाट तैयार है। आप चाहें तो इसे इमली की चटनी, हरी चटनी और फेंटे हुए दही के साथ परोस सकते हैं। इससे स्वाद और भी निखर कर आएगा।

शराब ही नहीं, ये चीजें भी लिवर को कर रही खराब

अमेरिकन लिवर फाउंडेशन और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट्स बताती हैं कि दुनियाभर में लिवर से जुड़ी बीमारियों के 25–30% मामले ऐसे लोगों में पाए जाते हैं जो शराब नहीं पीते। ऐसे लोगों में गड़बड़ खानपान, मोटापा, नींद की कमी और कुछ प्रकार दवाइयों का अत्यधिक सेवन जिम्मेदार हो सकता है।
मौजूदा समय में नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज की समस्या भी तेजी से बढ़ रही है, और इसकी सबसे बड़ी वजह है हमारी गड़बड़ लाइफस्टाइल।

अल्कोहल से लिवर को नुकसान

हर बार जब आपका लिवर अल्कोहल को फिल्टर करता है, तो ये लिवर की कोशिकाओं को क्षति पहुंचाती है। लिवर लगातार नई कोशिकाओं का विकास करता रहता है, लेकिन अक्सर शराब पीने की स्थिति में कोशिकाओं का विकास प्रभावित होने लगता है। इसके परिणामस्वरूप आपके लीवर को गंभीर और स्थायी क्षति हो सकती है। शराब पीने से लिवर में वसा का निर्माण होने लगता जिसके कारण फैटी लिवर रोग हो सकता है।

मीठे पेय पदार्थ भी नुकसानदायक

कोल्ड ड्रिंक्स या फिर अधिक मात्रा में मीठे पेय में ऐडेड शुगर होती है, इससे भी लिवर की सेहत को क्षति होने का खतरा बढ़ जाता है। इन्न पेय के नियमित सेवन से वजन बढ़ने, मधुमेह और फैटी लीवर रोग का जोखिम हो सकता है। मीठे पेय,

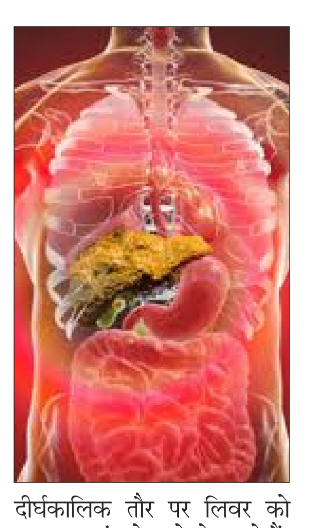

दीर्घकालिक तौर पर लिवर को नुकसान पहुंचाने वाले हो सकते हैं। सोडा और फलों के पैक्ड जूस में पाई जाने वाली ऐडेड शुगर की उच्च मात्रा से भी फैटी लिवर रोग हो सकता है।

तले हुए खाद्य पदार्थ

अस्वास्थ्यकर वसा वाले खाद्य पदार्थ, जैसे तली हुई चीजों का अधिक सेवन भी फैटी लीवर रोग का कारण बन सकता है। ये फैट लिवर में जमा होने लगती है जिसके कारण समय के साथ लिवर में सूजन और लिवर को क्षति होने का खतरा हो सकता है। तली हुई चीजें सिर्फ लिवर की दिक्कतें ही नहीं बढ़ाती हैं, इनसे ब्लड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का भी जोखिम रहता है।

हाई सोडियम वाले खाद्य पदार्थ

सोडियम की अधिकता वाले खाद्य पदार्थ जैसे डिब्बाबंद सूप, प्रोसेस्ड स्नैक्स और फास्ट फूड्स का अधिक सेवन भी लिवर की क्षति का कारण बन सकते हैं। अत्यधिक सोडियम के सेवन से द्रव असंतुलन भी हो सकता है। ये चीजें रक्तचाप बढ़ा देती हैं जिससे लिवर पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। लिवर को स्वस्थ रखने के लिए इन चीजों का सेवन कम करें।

फिर लिवर को स्वस्थ कैसे रखा जाए?

- कुछ बातों का ध्यान रखकर आप लिवर को स्वस्थ रख सकते हैं। इसके लिए रोजाना 30 मिनट एक्सरसाइज करें।
- शरीर को हाइड्रेट बनाए रखें (कम से कम 2.5-3 लीटर पानी)
- हरी सब्जियां, फल और ओमेगा-3 रिच चीजें खाएं
- शराब, प्रोसेस्ड फूड और – मीठे ड्रिंक्स से दूरी बनाएं।
- डॉक्टर की सलाह पर साल में 1 बार लिवर फंक्शन टेस्ट (LFT) जरूर कराएं।

आज का राशिफल

मेष : आज के दिन आपके इनकम के सोर्स बढ़ेंगे। आप अपनी अच्छी सोच का कार्यक्षेत्र में लाभ उठाएंगे। आपको एक से अधिक स्त्रोतों से इनकम में इजाफा हो सकता है, लेकिन वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आपका धन खर्च बढ़ सकता है। किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की होने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

वृष : आज का दिन आपके लिए धनधान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आपको अपनी सेहत को लेकर एहतियात बरतनी होगी, इसलिए आप अच्छी डाइट लें। आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे, लेकिन लोग इसे आपका स्वार्थ समझ सकते हैं।

मिथुन : आज का दिन आपके लिए किसी निवेश को करने के लिए बेहतर रहेगा। आप अपने मन में नकारात्मक विचारों को ना रखें। आपको कोई काम को लेकर यदि सलाह दें, तो आप उस पर बहुत ही सोच समझकर अमल करें। आपको भविष्य के लिए कोई बड़ा इन्वेस्टमेंट करने की आवश्यकता है।

कर्क : आज का दिन आपके लिए सेहत पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। आप अपनी सेहत को लेकर एहतियात बरतनी होगी और अपने खान-पान पर पूरा ध्यान दें। यदि आप किसी यात्रा पर जाएं, तो वहां आपको कुछ ऊंचाई वाली जगह जाने से बचना होगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है।

सिंह : आज का दिन इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आप कामों को लेकर काफी व्यस्त रहेंगे। विद्यार्थियों ने यदि किसी परीक्षा को दिया था, तो उसके परिणाम आ सकते हैं। मामलों को समय से निपटाने की कोशिश करें।

कन्या : आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आप अपने अच्छी सोच का लाभ उठाएंगे। विदेशों से व्यापार कर रहे लोगों को कोई बड़ा ऑर्डर मिल सकता है। आप अपनी शौक और मौज की चीजों पर भी अच्छा खासा धन खर्चा करेंगे। कोई पुरानी गलती के लिए आपको अपने बॉस से माफी मांगनी पड़ सकती है।

तुला : आज का दिन आपके लिए सावधान रहने के लिए रहेगा। आपको एक साथ कई काम हाथ लगने से आपकी व्याकाग्रता बढ़ सकती है। आपको किसी को धन देने से बचना होगा। जीवनसाथी से आपकी खटपट होने की संभावना है। आप अपने पिताजी के किसी पुराने रोग के उभरने से परेशान रहेंगे।

वृश्चिक : आज का दिन आपके लिए इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा। आपको किसी वाद-विवाद से दूर रहने की आवश्यकता है। पार्टनरशिप में आप कोई काम ना करें। संतान के करियर पर आप पूरा ध्यान दें और प्रेम जीवन जी रहे लोगों की अपने साथी के साथ चल रही अनबन भी दूर होगी।

धनु : आज का दिन आपके लिए जिम्मेदारी से काम करने के लिए रहेगा। आपका कोई बड़ा प्रोजेक्ट पूरा हो सकता है आप किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। आपकी पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी और खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आप धार्मिक कामों में पर बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा।

मकर : आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। व्यापार में आपको कुछ नए अवसर हाथ लगेंगे। सिंगल लोगों की अपने साथी से मुलाकात हो सकती है। आप मौज-मस्ती के मूड में रहेंगे। किसी से धन उधार लेने से बचना होगा। राजनीति में आप थोड़ा सोच समझकर कदम बढ़ाए।

कुंभ : आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आपकी कला और कौशल में सुधार आएगा और आपकी सुख सुविधाएं बढ़ेंगी। अटका हुआ धन आपको मिल सकता है। परिवार में सदस्यों में यदि गलतफहमी उत्पन्न हो गई थी, तो वह भी दूर हो सकती हैं।

मीन : आज का दिन शेयर मार्केट से जुड़े लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपको कोई पुराने निवेश से बेहतर लाभ मिलने की संभावना है। किसी प्रॉपर्टी को लेकर आप काफी उत्साहित होंगे। आप परिवार के सदस्यों के साथ आनंदमय समय व्यतीत करेंगे। अपने साथी को प्राथमिकता देनी होगी.

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

सावन में कढ़ी क्यों नहीं खाते?

क्या है आयुर्वेदिक कारण?

सावन में कढ़ी क्यों नहीं खानी चाहिए, और आयुर्वेद इसके बारे में क्या कहता है। हम इस विषय को गहराई से समझेंगे ताकि आप भी अपनी दिनचर्या में सावधानी बरत सकें और इस पावन मौसम का स्वास्थ्य के लिहाज़ से भी पूरा लाभ उठा सकें।

कढ़ी क्या है और इसमें क्या मिलाया जाता है?

कढ़ी भारतीय भोजन का एक प्रिय हिस्सा है जो दही और बेसन के मिश्रण से बनाई जाती है। इसे हल्की आंच पर पकाया जाता है और अक्सर इसमें पकौड़ी या हरी मिर्च डाली जाती है। इसका स्वाद खट्टा-तीखा होता है और यह पेट को ठंडक देने वाला माना जाता है। लेकिन यही ठंडक सावन के मौसम में हमारे स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है।

सावन और मौसम का बदलाव

सावन के दौरान वर्षा ऋतु अपने चरम पर होती है। वातावरण में नमी होती है, सूर्य की किरणें बहुत कम मिलती हैं और पाचन तंत्र स्वाभाविक रूप से कमजोर हो जाता है। आयुर्वेद के अनुसार वर्षा ऋतु में शरीर में वात और कफ दोष बढ़ जाते हैं, जिससे पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है। ऐसे समय में खट्टे, ठंडे और भारी भोजन शरीर को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से कढ़ी का प्रभाव

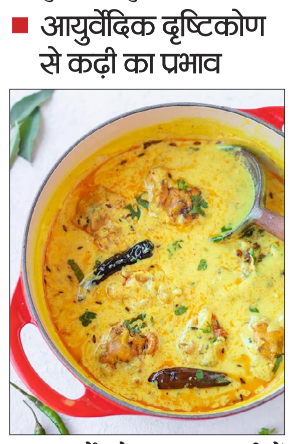

आयुर्वेद के अनुसार, कढ़ी में प्रयोग किया गया दही वर्षा ऋतु में अम्लीय (acidic) गुण वाला होता है, जो शरीर में कफ को और बढ़ा देता है। इसके अलावा बेसन एक भारी और देर से पचने वाला अनाज होता है, जो पहले से कमजोर पाचन प्रणाली पर अतिरिक्त दबाव डालता है। यह गैस, अपच, सूजन, और एसिडिटी जैसी समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। कढ़ी खाने से शरीर में जल तत्व और कफ दोष बढ़ सकते हैं, जिससे सर्दी-जुकाम, बुखार, सांस की तकलीफ और गला खराब होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं, खासकर उन लोगों को जो पहले से ही एलर्जी या साइनस से पीड़ित हैं।

कढ़ी का खट्टापन और मानसून की समस्याएं

सावन में खट्टे पदार्थों का सेवन विशेष रूप से वर्जित माना गया है। इसका कारण यह है कि खट्टा स्वाद (अम्ल रस) शरीर में पित्त और कफ को असंतुलित कर देता है। इससे त्वचा संबंधी विकार, एलर्जी, थकावट और यहां तक कि फंगल इंफेक्शन जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं, जो मानसून में वैसे ही आम होती हैं। ऐसे में खट्टी कढ़ी पाचन शक्ति को और अधिक प्रभावित करती है।

विकल्प क्या हो सकते हैं?

यदि आपको हल्का भोजन करना है, तो दाल का पानी, मूंग की दाल, छाछ (बिना नमक), हरी सब्जियों का सूप, सादी खिचड़ी, और लौकी जैसी सब्जियों बेहतर विकल्प हैं। ये न केवल आसानी से पचती हैं, बल्कि शरीर को पर्याप्त ऊर्जा और पोषण भी देती हैं।

बेहद चमत्कारी है यह खट्टा फल

- **साल में सिर्फ तीन महीने ही मिलता**
- **खाने से ढलती उम्र में भी दिखेंगे जवां**

धरती पर कई ऐसी चीजें पाई जाती हैं जो सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होती हैं. जानकारी के अभाव में लोगों को इनके गुणों का पता नहीं चल पाता. इन्हीं में से एक करौंदा का फल भी होता है. यह अधिकतर गर्मी के मौसम में पाया जाता है. औषधीय गुणों से भरपूर करौंदे का फल हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता है जो हमें कई गंभीर बीमारियों से बचाने में कारगर होता है. आइए हेल्थ एक्सपर्ट से जानते हैं इस फल के सेवन करने से हमें क्या फायदा मिलता हैं. डॉ. ओम राज ने बताया कि गर्मी के मौसम में जंगलों में पाया जाने वाला करौंदे का फल हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता है. इसमें एंटी कैंसर प्रॉपर्टीज पाए जाते हैं जो हमें कैंसर जैसी बीमारी से बचाने में कारगर होता है.

औषधीय गुणों से भरपूर करौंदे के फल में प्रचुर मात्रा में आयरन, विटामिन सी, विटामिन बी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के साथ ही फाइबर पाया जाता है. औषधीय गुणों से भरपूर करौंदा बीपी, हाई कोलेस्ट्रॉल, हृदय रोग समस्या, वजन कम करने, त्वचा संबंधी बीमारी और पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में कारगर होता है. इसके साथ यह आपके शरीर का मेटाबॉलिज्म भी बेहतर बनाने में कारगर होता है.

आप इसके फल का जूस बनाकर सेवन करने से लेकर सब्जी, चटनी, अचार या फिर जैम बनाकर इसका सेवन कर सकते हैं. आगे की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया की यह आपके बालों के लिए भी फायदेमंद होता है.

इसका सेवन करने से बालों की ग्रोथ बढ़ती है. इसके साथ ही आपके बाल काले और चमकदार बने रहेंगे. खासकर महिलाओं को इसका सेवन जरूर करना चाहिए. इसमें आयरन भरपूर मात्रा में पाया जाता.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बच्चे की चाहत लिए आश्रम आई महिला को कमरे में ले जाकर बाबा ने किया रेप

फिरोजाबाद. यूपी के फिरोजाबाद में बच्चा न होने से परेशान एक महिला और उसके परिवार के साथ बड़ा धोखा हो गया। बच्चे की चाहत लिए हाथरस की ये महिला फिरोजाबाद के नारखी क्षेत्र के आश्रम में आई थी। वहां कथित बाबा ने आश्रम के कमरे में महिला के साथ दुष्कर्म किया। बाबा ने महिला के पति और ननद-ननदोई को बाहर बिठा दिया था। वे इंतजार करते रहे। बाद में सच्चाई सामने आने के बाद आश्रम में हंगामा खड़ा हो गया। पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर थाना नारखी पुलिस ने आरोपी बाबा को मनिया खेड़ा के पास से गिरफ्तार कर लिया। माना जा रहा है कि महिला पिछले कुछ वक्त से ही दवा लेने आ रही थी। बताया जाता है कि वह महिला को झाड़फूंक के लिए बुलाता था तथा हर शनिवार को एक चरागी कराने को बात कहता था।

भांजी को घुमाने के बहाने ले गई मौसी, डेढ़ लाख में कर दिया सौदा, पेशगी लेते ही फूटा भांडा

मेरठ. बहन ने अपनी सगी बहन के भरोसे का कत्ल कर दिया। पहले तो खुद परिजनों के खिलाफ जाकर दूसरे समुदाय के युवक से निकाह कर लिया। अब वर्षों बाद बहन से नाता जोड़कर उसकी पुत्री को अपने घर लाकर डेढ़ लाख रुपये में बेच दिया। 70 हजार रुपये पेशगी भी ले ली। 15 दिन पहले वह भांजी को घुमाने के बहाने अपने साथ लाई थी। मौसी की करतूत का पता लगने पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने लड़की को बरामद कर लिया है। मुंडाली क्षेत्र के एक गांव में रहने वाले व्यक्ति ने बताया कि वह राजमिस्त्री का काम करता है। उसकी साली ने परिजनों के खिलाफ जाकर बुलंदशहर निवासी दूसरे समुदाय के युवक से निकाह किया था। इसके बाद घरवालों ने उससे मुंह मोड़ लिया। पीड़ित ने बताया कि अब उसकी साली, अपनी बहन से फोन पर बात करने लगी। 27 जून को वह अपने शौहर के साथ घर आई और सबका भरोसा जीतकर उसकी 17 साल की बेटी को घुमाने के बहाने बुलंदशहर ले गई। वहां ले जाकर उसने डेढ़ लाख रुपये में लड़की का सौदा अलीगढ़ के युवक से कर दिया। 70 हजार रुपये पेशगी भी ले ली। इस बीच मौसी का भंडाफोड़ हो गया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी महिला और दो युवकों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

शिक्षिका पत्नी से हर महीने 15 हजार मांग रहा था पति, नहीं मिले तो सिलबट्टे से मार डाला

गोरखपुर. यूपी के गोरखपुर में एक दर्दनाक और हैरान कर देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक पति ने हर महीने 15 हजार रुपए की मांग पूरी नहीं होने पर सिलबट्टे से सिर पर वार कर अपनी पत्नी की निर्मम हत्या कर दी। रात में जिस वक्त उसने अपनी पत्नी पर वार किए वो अपने कमरे में सो रही थी। पास में 13 साल का बेटा भी सोया हुआ था। मां की चीख सुनकर नींद से जाग गए बेटे ने पिता को रोकने का प्रयास किया तो आरोपी ने उसे भी दौड़ा लिया। बेटे ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। उसकी सूचना पर आसपास के लोग मौके पर जुट गए। इसी दौरान मौका पाकर आरोपी वहां से फरार हो गया। महिला को आनन-फानन में मेडिकल कालेज ले जाया गया जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

‘ऐसे लोगों की जरूरत जो सरकार पर केस करें’

- **नेताओं-सिस्टम में अनुशासन के लिए कोर्ट का सहारा लेना जरूरी है -गड़करी**

नई दिल्ली. केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, 'समाज में कुछ ऐसे लोग भी होने चाहिए, जो सरकार के खिलाफ केस दाखिल कर सकें। अगर सिस्टम में अनुशासन चाहिए तो सरकार के खिलाफ अदालत का सहारा लेना जरूरी है।'

उन्होंने कहा- कई बार अदालत का आदेश ऐसे काम भी करवा देते हैं, जो सरकार नहीं करवा पातीं। समाज में कुछ लोगों को सरकार के खिलाफ अदालत में याचिकाएं दाखिल करनी चाहिए। इससे नेताओं और सिस्टम में अनुशासन आता है।

गडकरी ने कहा कि ऐसा इसलिए क्योंकि जनता को लुभाने की राजनीति नेताओं-मंत्रियों के आड़े आती है और वे जनहित में कदम नहीं उठा पाते। गडकरी ने कई उदाहरण दिए, जिनमें केंद्र-राज्य सरकारों को खिलाफ याचिका दाखिल की गई थी।

उन्होंने कहा कि प्रशासन में अनुशासन बनाए रखने के लिए यह जरूरी चीज है। दरअसल, 13 जुलाई को नितिन गडकरी नागपुर पहुंचे थे। वहां वहां 'प्रकाश देशपांडे स्मृति कुशल संगठक पुरस्कार समारोह' में उन्होंने ये बात कही थी।

समाज में जागरूक-जुझारू लोगों की मौजूदगी जरूरी

गडकरी ने कुशल संघटक के तौर पर सम्मानित लोगों की सराहना की। उन्होंने कहा- इन लोगों ने सरकार के खिलाफ कई कानूनी लड़ाइयां लड़ीं। समाज में ऐसे जागरूक और जुझारू लोगों की मौजूदगी जरूरी है जो सिस्टम की गलतियों को उजागर करें और जनता के हित में कदम उठाएं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा- ये लोग सिर्फ विरोध करने के लिए नहीं, बल्कि जनहित में काम कर रहे थे। इन लोगों ने अदालत के माध्यम से सरकार की जवाबदेही तय की और साबित किया कि लोकतंत्र में जागरूक नागरिकों की कितनी अहम भूमिका होती है। कई बार ऐसा हुआ कि जब लोग अदालत गए तो सरकार को अपने किसी फैसले से पीछे हटना पड़ा।

अमरनाथ यात्रा -11 दिन में 2 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

- **13वां जत्था जम्मू से रवाना**
- **तीर्थयात्रियों के काफिले का वाहन पलटा,**
- **3 घायल**

श्रीनगर. अमरनाथ यात्रा के पहले 11 दिनों में 2 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में हिम शिवलिंग के दर्शन किए हैं। रविवार को 20,000 तीर्थयात्री दर्शन के लिए पहुंचे। यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी।

इधर सोमवार को 6,100 यात्रियों का छठा जत्था सोमवार को जम्मू से गांदरबल के बालटाल और पहलगाम के नुनवान बेस कैंप के लिए रवाना हुआ।

गांदरबल जिले के जेड-मोड़ टनल के पास तीर्थयात्रियों के काफिले का वाहन पलट किया। हादसे में CRPF के 3 जवान घायल हो गए। इससे पहले रविवार को कुलगाम में 3 बसों की आपस में टक्कर होने से 10 यात्री घायल हुए थे।

अबतक 4 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। 38 दिन तक चलने वाली यात्रा पहलगाम और बालटाल दोनों रूट से जारी है। समापन 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन होगा। पिछले साल यात्रा 52 दिन चली थी और 5 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए थे।

करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष रिहा

- **आंदोलन में शामिल नहीं होने की शर्त पर शहर से बाहर छोड़ा;**
- **शेरपुर बोले- समझौता नहीं करेंगे**

हरदा. हरदा में सोमवार सुबह करीब 7:15 बजे करणी सेना परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीवन सिंह शेरपुर, कृष्णा अजय पाल, राहुल पिता भारत और नेपाल पिता विक्रम सिंह को सशर्त रिहा किया गया। रिहाई एसडीएम कुमार शानू देवड़िया की मौजूदगी में हुई। दोपहर में 50 और सदस्यों को रिहा किया गया। एसडीएम ने बताया कि सोमवार को सभी लोगों को रिहा कर दिया है। प्रशासन ने जीवन सिंह शेरपुर को जिला सीमा से बाहर छोड़ा है। उनसे लिखित में लिया गया है कि वे हरदा में किसी भी तरह के आंदोलन या प्रदर्शन में शामिल नहीं होंगे। रिहाई के बाद करणी सेना परिवार के अध्यक्ष जीवन सिंह शेरपुर ने कहा कि अभी कोई साथी हरदा न आए। आंदोलन जारी रहेगा, लेकिन तारीख नई तय करेंगे।

रविवार को कई शहरों में चक्काजाम और प्रदर्शन

बता दें कि हरदा में चक्काजाम कर रहे करणी सेना परिवार के कार्यकर्ताओं पर पुलिस के लाठीचार्ज का प्रदेश भर में विरोध हो रहा है। रविवार को भोपाल, रतलाम समेत प्रदेश के कई शहरों में चक्काजाम और प्रदर्शन किया गया।

चीनी उपराष्ट्रपति से मिले विदेश मंत्री जयशंकर

- **बोले- दोनों देशों में संबंध सुधर रहे**
- **SCO के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगे**
- **पांच साल बाद चीन की यात्रा पहुंचे जयशंकर**

दोनों नेताओं के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक में जयशंकर ने कहा, भारत और चीन के संबंध अक्टूबर 2023 में कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद से लगातार बेहतर हो रहे हैं। दोनों देशों के बीच 75 साल के राजनयिक संबंध पूरे हो चुके हैं।

बीजिंग. विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को बीजिंग में चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भारत-चीन संबंधों में हालिया सुधार का जिक्र किया।

जयशंकर ने मौजूदा अंतरराष्ट्रीय हालात को जटिल बताया और कहा कि भारत और चीन जैसे बड़े पड़ोसी देशों के बीच खुलकर बातचीत बेहद जरूरी है। उन्होंने चीनी उपराष्ट्रपति को बताया कि कैलाश मानसरोवर यात्रा के फिर से शुरू होने को भारत में बेहद सराहा गया है।

जयशंकर की पांच साल में यह पहली चीन यात्रा है। वे सिंगापुर दौरे के बाद बीजिंग पहुंचे हैं। जयशंकर 15 जुलाई को तियानजिन में होने वाली SCO विदेश मंत्रियों की बैठक में भी हिस्सा लेंगे।

इस दौरान उनकी चीनी विदेश मंत्री वांग यी से भी मुलाकात तय है। इससे पहले फरवरी में जोहान्सबर्ग में G20 की बैठक के दौरान जयशंकर और वांग यी की मुलाकात हुई थी। जहां दोनों नेताओं ने सहयोग बढ़ाने की बात कही थी।

जून 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच झड़प में दोनों पक्षों के जवान मारे गए थे। इसके दोनों देशों के रिश्ते बेहद तनावपूर्ण हो गए थे। इसके बाद से इस साल तक भारत के किसी शीर्ष नेता ने चीन का दौरा नहीं किया था।

एअर इंडिया CEO बोले- दोनों पायलट की मेडिकल स्थिति सामान्य थी

- **बोइंग ने कहा- विमानों के फ्यूल स्विच लॉक्स एकदम सेफ**

नई दिल्ली. एअर इंडिया के CEO और मैनेजिंग डायरेक्टर कैंपबेल विल्सन ने कहा कि दोनों पायलटों ने ब्रीथ एनालाइजर टेस्ट पास किया था और उनकी मेडिकल स्थिति सामान्य थी। प्राइमरी रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि प्लेन और इंजन में कोई टेक्निकल या मेंटेनेंस से जुड़ी खराबी नहीं थी।

विल्सन ने कहा- प्लेन के सभी जरूरी मेंटेनेंस कार्य समय से किए गए थे। ईंधन की गुणवत्ता में कोई कमी नहीं थी और टेक-ऑफ रोल सामान्य था। उन्होंने कर्मचारियों को भेजे गए ईमेल में ये बात लिखी है। एअर इंडिया के CEO ने आगे लिखा-

रिपोर्ट में किसी भी तरह का कारण और सिफारिश नहीं दी गई है, हम सभी से अनुरोध करते हैं कि

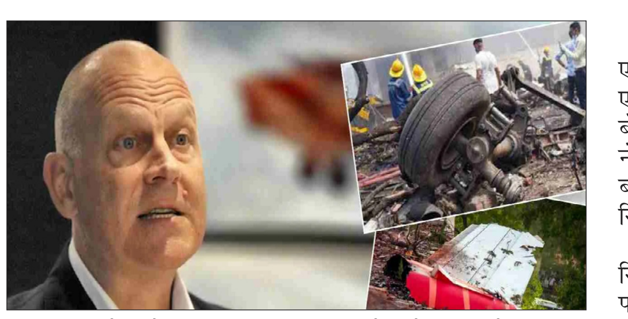

जल्दबाजी में कोई निष्कर्ष न निकालें। एअर इंडिया पूरी तरह से जांच एजेंसियों का सहयोग कर रही है।

इधर, अमेरिका की सरकारी एजेंसी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (FAA) और बोइंग ने रविवार को प्राइवेट नोटिफिकेशन जारी करते हुए बताया कि बोइंग प्लेन के फ्यूल स्विच लॉक एकदम सेफ हैं।

FAA ने कहा, 'फ्यूल कंट्रोल स्विच का डिजाइन, लॉकिंग फीचर्स, बोइंग के अलग-अलग विमानों में एक ही है। फिर भी हम इसे खतरे की स्थिति नहीं मानते, जिसके लिए किसी भी बोइंग विमान मॉडल पर एयरवर्दीनेस डायरेक्टिव देने की जरूरत पड़े।'

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, FAA और बोइंग ने यह नोटिफिकेशन 11 जुलाई को अहमदाबाद-लंदन प्लेन क्रैश की प्रारंभिक रिपोर्ट के बाद जारी किया, जिसमें इंजन फ्यूल कटऑफ स्विच पर सवाल उठाए गए थे। फ्यूल कंट्रोल स्विच विमान के इंजन में फ्यूल के बहाव को कंट्रोल करते हैं।

‘तलाक मामले में पत्नी की कॉल रिकॉर्डिंग सबूत’

- **सुप्रीम कोर्ट बोला- ये निजता का उल्लंघन नहीं**
- **रिश्ता जासूसी तक पहुंचा तो पहले ही टूट चुका**

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि पत्नी की जानकारी के बिना रिकॉर्ड कॉल को वैवाहिक विवादों में सबूत के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। कोर्ट ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि ऐसा करना पत्नी के निजता के अधिकार का उल्लंघन है और इसे सबूत के रूप में नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा कि शादीशुदा जीवन में गोपनीयता का अधिकार पूरा नहीं हो सकता। इंडियन एविडेंस की धारा 122 के तहत पति-पत्नी के बीच बातचीत को कोर्ट में उजागर नहीं किया जा सकता, लेकिन तलाक जैसे मामलों में इसे अपवाद मानते हैं।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने कहा, 'हम नहीं मानते कि इस मामले में निजता के अधिकार का कोई उल्लंघन हुआ है। धारा 122 सिर्फ पति-पत्नी के बीच संवाद की गोपनीयता को मान्यता देती है, लेकिन यह निजता के संवैधानिक अधिकार (अनुच्छेद 21) से जुड़ा नहीं है।

क्या था मामला?

यह केस बठिंडा की एक फैमिली कोर्ट से शुरू हुआ था, जहां पति ने पत्नी से बातचीत की रिकॉर्डिंग के आधार पर तलाक की अर्जी दी थी। कोर्ट ने कॉल रिकॉर्डिंग को सबूत के तौर पर मान लिया। पत्नी ने इस फैसले को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने इसे निजता का उल्लंघन बताया और कहा कि इस रिकॉर्डिंग को सबूत नहीं माना जा सकता।

PM मोदी पर कार्टून में SC ने भी नहीं दी राहत

- **कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय को गिरफ्तारी से अंतरिम राहत देने से इनकार**

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मशहूर कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय को गिरफ्तारी से अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस पर बनाए गए कथित आपत्तिजनक कार्टून को लेकर दर्ज मामले में उन्होंने अग्रिम जमानत की मांग की थी। इससे पहले कार्टूनिस्ट को हाई कोर्ट से भी झटका लगा था।

पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा, ₹फ्रीडम ऑफ स्पीच का कुछ कार्टूनिस्ट और स्टैंड-अप कॉमेडियन दुरुपयोग कर रहे हैं।₹ कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर ऐसे बयानों और तस्वीरों को संरक्षण नहीं दिया जा सकता। कोर्ट ने फिलहाल कोई अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार करते हुए मामले की अगली सुनवाई 15 जुलाई को निर्धारित की है।

- **क्या है मामला**

मशहूर कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय पर आरोप है कि उन्होंने एक ऐसा कार्टून बनाया था जो प्रधानमंत्री और आरएसएस को लेकर कथित तौर पर आपत्तिजनक था। यह कार्टून कोविड-19 महामारी के दौरान बनाया गया था, जब वैक्सीन को लेकर भ्रम और डर का माहौल था। मालवीय ने कोर्ट में कहा कि कार्टून महज़ एक कल्पनात्मक

सामाजिक व्यंग्य था, जिसमें एक नेता को एक आम आदमी पर वैक्सीन लगाए जाने की स्थिति को दर्शाया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि यह तस्वीर पिछले चार वर्षों से सोशल मीडिया पर सार्वजनिक रूप से मौजूद है।

कांवड़ियों की राह में बिखेरे गए कांच के टुकड़े

दिल्ली. शाहदरा में कांवड़ यात्रा मार्ग पर कांच के टुकड़े बिखरे पाए जाने के कुछ दिनों बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एक कार्यक्रम के दौरान गुप्ता ने यात्रा में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न करने के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि उनकी सरकार कांवड़ियों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इगा स्वातेक बनीं विंबलडन विमेंस चैंपियन

बैडमिंटन प्लेयर साइना नेहवाल पति से अलग हुईं:बोलीं- बहुत सोचने के बाद हम दोनों ने फैसला लिया; 7 साल पहले लव मैरिज की थी

भारतीय बैडमिंटन प्लेयर साइना नेहवाल ने रविवार देर रात अपने पति और बैडमिंटन प्लेयर पारुपल्ली कश्यप (पी. कश्यप) से अलग होने की जानकारी दी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर स्टोरी में लिखा, 'बहुत सोच-विचार के बाद, कश्यप और मैंने अलग होने का फैसला किया है।'

साइना ने लिखा, 'जिंदगी कभी-कभी हमें अलग-अलग दिशाओं में ले जाती है। हम एक-दूसरे के लिए शांति, तरक्की और उबरना चुन रहे हैं। मैं उनके साथ सभी यादों के लिए आभारी हूं और आगे के लिए शुभकामनाएं देती हूं। हमारी निजता को समझने और उसका सम्मान करने के लिए धन्यवाद।'

7 साल पहले हुई थी शादी, ट्रेनिंग के दौरान मिले थे

साइना नेहवाल ने 14 दिसंबर, 2018 को कश्यप पारुपल्ली के साथ लव मैरिज की थी। दोनों 2007 से रिलेशनशिप में थे। हालांकि, 2005 से एक-दूसरे को जानते थे। अपने करियर के शुरुआती दिनों में दोनों हैदराबाद के पुलेला गोपीचंद एकेडमी में एक साथ ट्रेनिंग करते थे।

एकेडमी में ट्रेनिंग के दौरान ही दोनों मिले थे। दोनों इस खेल में काफी आगे बढ़े। लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहने के बाद 2018 में दोनों ने शादी की थी। हालांकि, शादी तक दोनों के रिलेशनशिप के बारे में लोगों को भनक भी नहीं थी।

हरियाणा समेत 3 राज्यों को मिले नए राज्यपाल

- **लद्दाख से BD मिश्रा का इस्तीफा**

नई दिल्ली. हरियाणा और गोवा में नए राज्यपालों की नियुक्ति की गई है। इसके अलावा लद्दाख में भी फेरबदल किया गया है। यहां अब कविंद्र गुप्ता उपराज्यपाल होंगे, जबकि अब तक एलजी रहे ब्रिगेडियर बीडी मिश्रा का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। हरियाणा में अब प्रोफेसर असीम कुमार घोष राज्यपाल होंगे। यही नहीं गोवा में

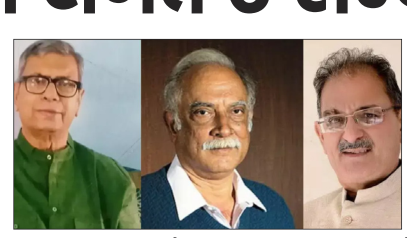

गजपति राजू को राज्यपाल बनाकर भेजा गया है। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से इनकी नियुक्ति की जानकारी दी है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। राष्ट्रपति के प्रेस सचिव अजय कुमार सिंह की ओर से इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई है।

कविंद्र गुप्ता जम्मू-कश्मीर भाजपा के बड़े नेता रहे हैं और उप-मुख्यमंत्री के तौर पर भी जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। अब उन्हें उप-राज्यपाल बनाकर सक्रिय राजनीति से दूर किया गया है, लेकिन लद्दाख ही भेजा गया है। इसकी वजह यह है कि जम्मू-कश्मीर का ही लद्दाख 2019 से पहले हिस्सा हुआ करता था। कविंद्र गुप्ता को लद्दाख की राजनीति, संस्कृति और अन्य चीजों के बारे में अच्छी जानकारी है। ऐसे में उन्हें लद्दाख में एलजी पद के लिए उपयुक्त व्यक्ति माना जा रहा है। कविंद्र गुप्ता दशकों से भाजपा के समर्पित नेता रहे हैं।

अब तक हरियाणा में बंडारू दत्तात्रेय राज्यपाल थे और अब उनकी जगह प्रोफेसर असीम कुमार घोष लेंगे। बंडारू दत्तात्रेय 2021 से ही हरियाणा के राज्यपाल थे। अभी यह जानकारी नहीं मिली है कि बंडारू दत्तात्रेय को अब क्या जिम्मेदारी मिलेगी। गजपति राजू तेलुगु देशम पार्टी के नेता रहे हैं और अब गोवा में राज्यपाल के तौर पर काम देखेंगे। ऐसा पहली बार है, जब मोदी सरकार में शामिल किसी गठबंधन सहयोगी के नेता को राज्यपाल के तौर पर जिम्मेदारी सौंपी गई है। अब तक सरकार की नीति भाजपा के नेताओं, सैन्य सेवा में रहे लोगों को ही राज्यपाल के तौर पर जिम्मेदारी देने की रही है। ऐसा पहली बार है, जब किसी गैर-भाजपा दल के नेता को यह मौका मिला है।

हरियाणवी सिंगर पर कई राउंड फायरिंग

गुरुग्राम. हरियाणवी और बॉलीवुड सिंगर राहुल फाजिलपुरिया पर ताबड़तड़ फायरिंग करने का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक गुरुग्राम के एसपीआर रोड पर अज्ञात बदमाशों ने इस वारदात को अंजाम दिया है। गनीमत रही कि इस हमले में राहुल को एक भी गोली नहीं लगी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। व्यापारिक घराने से संबंध रखने वाले राहु फाजिलपुरिया को बॉलीवुड में फिल्म कपूर एंड संस के लड़की ब्यूटीफुल गाने से खासी पहचान मिली।

भाजपा बोली- कर्नाटक में चल रही हॉर्स ट्रेडिंग

- **DK की फिर सत्ता पर नजर**

बंगलूरु. कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के समर्थकों के बीच जोर-आजमाइश का दौर जारी है। डीके शिवकुमार के समर्थक विधायकों का कहना है कि अब समय एकदम सही है, जब उनके नेता को ही मुख्यमंत्री का पद दिया जाए। मांड्या के विधायक रवि कुमार गौड़ा ने भी अब यह मसला उठा दिया है और उनका कहना है कि डीके शिवकुमार को अब और इंतजार नहीं कराया जा सकता। उनसे पहले विधायक इकबाल हुसैन तो 100 MLA के समर्थन का भी दावा कर चुके हैं। उन्होंने यह बात तब कही थी, जब हाईकमान को मामला संभालने के लिए रणदीप सुरजेवाला को भेजना पड़ा था।

यही नहीं बीते सप्ताह डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया खुद दिल्ली आए थे। कहा जाता है कि उनकी अलग-अलग ही सही, लेकिन राहुल गांधी से मुलाकात हुई थी। तब से कर्नाटक में सत्ता का नाटक और बढ़ने की चर्चाएं तेज हैं। ऐसे में शिवकुमार समर्थक विधायक भी चाहते हैं कि नेतृत्व पर दबाव बना रहे। इस बीच भाजपा ने भी तंज कसा है और उसका कहना है कि कर्नाटक में कांग्रेसी आपस में ही बिकने को तैयार हैं। भाजपा ने कहा कि कांग्रेसी घोड़े बिकने को तैयार हैं। डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया के बीच हॉर्स ट्रेडिंग जारी है। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि दोनों गुटों की तरफ से एक-दूसरे के विधायकों को खरीदने की कोशिश जारी है।

जोशी ने कहा, 'डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया दोनों ही हॉर्स ट्रेडिंग में बिजी हैं। सिद्धारमैया ज्यादा विधायकों के समर्थन का दावा कर रहे हैं। वह पैसे और पावर के दम पर लोगों को अपने पक्ष में करना चाहते हैं।' हालांकि भाजपा की ओर से ऑपरेशन लोटस चलाए जाने के कांग्रेस के आरोप को उन्होंने खारिज किया। जोशी ने कहा कि हम चाहते हैं कि कांग्रेस सरकार जिस तरह पूर्ण बहुमत से आई थी, उसी तरह बढ़िया से चलती रहे। उन्होंने कहा, 'फिलहाल घोड़े बाजार में बिकने के लिए तैयार हैं। खरीददार भी रेडी हैं। मैं यह क्लियर कर दूं कि पहले 9 सीट ही पीछे थे और सबसे बड़ी पार्टी थे। हमारे साथ जनादेश था। अब जनादेश उनके साथ हैं तो हम चाहेंगे कि वे बिना किसी परेशानी के सरकार चला लें।'

निमिषा प्रिया को बचाने अब आगे आए मुस्लिम धर्मगुरु

कोझिकोड (केरल). यमन में फांसी की सजा का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को बचाने के लिए अब सुन्नी मुस्लिम धर्मगुरु कंथापुरम ए. पी. अबूबकर मुसलियार आगे आए हैं। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी और कहा कि मुस्लिम धर्मगुरु उसे बचाने के लिए ‘हर संभव प्रयास’ कर रहे हैं। नर्स को दो दिन बाद यानी 16 जुलाई की फांसी देने की तारीख तय की गई है।

सूत्रों ने बताया कि 94 वर्षीय मुसलियार ने यमन में इस्लामिक धार्मिक नेतृत्व के साथ बातचीत की है। इसके अलावा वह मृतक तलाल अब्दो मेहदी के परिजनों के संपर्क में भी हैं। तलाल अब्दो मेहदी यमनी नागरिक था, जिसकी भारतीय नर्स ने 2017 में कथित तौर पर हत्या कर दी थी। मुसलियार को भारत के मुफ्ती ए आजम की उपाधि प्राप्त है और उन्हें आधिकारिक तौर पर शेख अबूबक्र अहमद के नाम से भी जाना जाता है। केरल निवासी नर्स निमिषा प्रिया को अपने यमनी व्यापारिक साझेदार मेहदी की हत्या करने के मामले में 16 जुलाई को फांसी की सजा दी जानी है। सूत्रों ने बताया कि दियात (ब्लड मनी) दिए जाने को लेकर बातचीत हो चुकी है और केरल में संबंधित पक्षों को इसकी जानकारी दे दी गई है।

संक्षेप...

रायगढ़ पुलिस का स्पेशल ऑल आउट ऑपरेशन

अलीबाग. पिछले दिनों तटरक्षक बल से रायगढ़ जिले के तटीय इलाकों में एक संदिग्ध नाव होने का संदेश मिलने के बाद रायगढ़ पुलिस ने गहन तलाशी अभियान चलाया. हालाँकि बाद में यह स्पष्ट किया गया कि वह वस्तु एक जीपीएस ट्रैकर वाला 'बॉय' था, फिर भी पुलिस ने जिले की समुद्री सुरक्षा को मज़बूत करने पर ध्यान केंद्रित किया है. इसी के तहत, तट पर 3,000 से ज़्यादा कॉटेज और होटलों की जाँच की गई है. उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यह 'तलाशी अभियान' जारी रहेगा.

रायगढ़ पुलिस प्रशासन ने अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों की छुट्टियाँ भी रद्द कर दी हैं और उन्हें तुरंत रिपोर्ट करने का आदेश दिया है. अलीबाग, मुरुड तालुका के समुद्र तटों और अन्य इलाकों में सशस्त्र नाकाबंदी की गई है. इस बीच, कुछ जगहों पर 'स्पेशल ऑल आउट ऑपरेशन' लागू किया गया है.

यहां साइबर सेल की नज़र रहेगी. इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर अफ़वाहें फैला सकते हैं. इसलिए पुलिस का सोशल मीडिया सेल सक्रिय है. यह व्यवस्था 24 घंटे चालू रहेगी. विशेष रूप से मछुआरों से बातचीत करके उन्हें सतर्क रहने का आग्रह किया गया है. समुद्री सुरक्षा बल, ग्राम सुरक्षा बल और पुलिस पाटिलों की बैठकें आयोजित करके जागरूकता पैदा की जा रही है. पुलिस लगातार तटों पर गश्त कर रही है.

राज ठाकरे के खिलाफ DGP से शिकायत

- **HC के तीन वकीलों ने की NSA लगाने की मांग**

मुंबई. महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (MNS) के चीफ राज ठाकरे ने मराठी भाषा विवाद के बीच अपने समर्थकों से कहा था कि गैर मराठियों को पीटते वक्त वीडियो ना बनाएं। अब इस विवादित बयान पर उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। बॉम्बे हाई कोर्ट के तीन वरिष्ठ वकीलों ने महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक (DGP) को चिट्ठी लिखकर MNS चीफ के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है और उनके खिलाफ FIR दर्ज करने की मांग की है। वकीलों ने ये भी मांग की है कि उनके भड़काऊ भाषणों और विवादित बयानों की उच्चस्तरीय जांच हो और उन पर NSA लगाया जाए।

डीजीपी को लिखी चिट्ठी में वकीलों ने कहा है कि मराठी राज्य की भाषा है। इसलिए सभी भारतीयों का यह कर्तव्य बनता है कि उस भाषा का सम्मान करें लेकिन बीते कुछ दिनों में MNS के कार्यकर्ताओं ने मराठी न बोलने वालों के साथ मारपीट और अपमानजनक

व्यवहार किए हैं, जो राज्य में असंवैधानिक स्थिति पैदा करती हैं। इसलिए ऐसे कृत्य के लिए राज ठाकरे के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए।

- **संविधान का हो रहा उल्लंघन**

शिकायत में कहा गया है कि 5 जुलाई को मुंबई के वर्ली में आयोजित कार्यक्रम में राज ठाकरे ने रहा था कि जो भी हमसे गलत भाषा में बात करेगा, उसे एक मिनट में चुप करा देंगे। इसके साथ ही ठाकरे ने अपने कार्यकर्ताओं से कहा था कि जब आप लोग दूसरे राज्यों के लोगों के पीटते हैं, तो पीटते वक्त उनका वीडियो ना बनाएं। वकीलों का कहना है कि राज ठाकरे का यह बयान राज्य में कानून-व्यवस्था के लिए खतरनाक है और यह संविधान के कई अनुच्छेदों का उल्लंघन है।

- **राज्य में राजनीतिक नफरत को बढ़ावा**

वकीलों ने अपनी शिकायत में यह भी आरोप लगाया है कि मराठी भाषा के नाम पर गैर मराठियों पर हो रहे हमले राज्य में राजनीतिक नफरत को बढ़ावा दे रहे हैं। आरोप लगाया गया है कि भाषाई आधार पर हिंसा फैलाकर MNS कार्यकर्ता और नेता सांप्रदायिक और क्षेत्रीय विभाजन को बढ़ावा दे रहे हैं।

केंद्रीय सामाजिक न्याय व अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने ऑड उज्जवल देवराव निकम को राज्यसभा का सदस्य बनाये जाने पर उनके निवास स्थान माटुगा में उन्हें मिठाई खिलाकर और शाल ओढ़ाकर गुलदस्ता भेंटकर उनका अभिनन्दन किया।फोटो में वारकरी संप्रदाय के नेता विठ्ठल पाटिल भी दिखाई दे रहे हैं।

कोई नया शराब लाइसेंस जारी नहीं किया जाएगा

- **आबकारी मंत्री अजित पवार ने आश्वासन दिया**

पुणे. राज्य के आबकारी और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने रविवार को पुणे में आश्वासन दिया कि राज्य में कोई नया शराब लाइसेंस जारी नहीं किया जाएगा. अजित पवार ने हिंजेवाड़ी के दौरे के दौरान संवाददाताओं से कहा कि आबकारी विभाग ने ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया है जिससे उनके बेटे जय पवार की शराब निर्माण कंपनी को लाभ हो, और यदि ऐसा है, तो कृपया मुझे इसकी जानकारी दें.

गृह विभाग ने 26 जून को एक सरकारी निर्णय जारी किया है, जिसके तहत राज्य में 41 विदेशी शराब निर्माण कंपनियों को कुल 328 खुदरा शराब दुकान लाइसेंस (FL 2) जारी किए जाएँगे, जो आबकारी विभाग के 8 राजस्व संभागों में से प्रत्येक में एक होंगे.

'1974 से राज्य में खुदरा शराब की दुकानों के लाइसेंस जारी करने पर प्रतिबंध लगा हुआ है. विधायिका को विश्वास में लिए बिना लाइसेंस जारी नहीं किए जा सकते. फिलहाल, शराब की दुकानों को स्थानांतरित किया जा सकता है.' इस संबंध में भी, ज़िला कलेक्टर और आबकारी अधीक्षक की एक समिति निर्णय लेती है. अजित पवार ने कहा, 'यह बात ग़लत है कि पूर्व मंत्री संदीपन भुमरे के रिश्तेदारों का शराब लाइसेंस 24 घंटे के भीतर स्थानांतरित कर दिया गया. यह मामला वर्ष 2023 का भुमरेया का है. इस लाइसेंस को स्थानांतरित करने में डेढ़ महीने का समय लगा.'

भिवंडीकरों की प्रशासक अनमोल सागर से गुहार

आयुक्त साहेब भिवंडी पर दीजिए ध्यान

- **कब मिलेगी जलजमाव, कचरा, ट्रैफिक जाम**
- **सड़क के गड्ढों से निजात**

वी. एस.

भिवंडी. भिवंडी मनपा प्रशासक, आयुक्त अनमोल सागर से भिवंडीकरों ने शहर की बदहाली पर ध्यान देने की गुहार लगाई है. भिवंडीकरों का कहना है कि, भिवंडी मनपा टैक्स भुगतान के बाद भी नागरिकों को मूलभूत सुविधा देने में भी असफल साबित हुई है. शहर में चारों तरफ सड़कों पर

गड्ढे, कचरा, गंदगी, ट्रैफिक जाम, फुटपाथ पर अतिक्रमण सहित सड़क किनारे चैंबर पर ढक्कन नहीं होने से लोग भारी परेशानी झेल रहे हैं.

गौरतलब हो कि, भिवंडी में चारों तरफ गंदगी का सम्राज्य, गड्ढे की सड़क, चैंबरों पर ढक्कन नदारद, सड़क किनारे फुटपाथों पर हॉकरो का कब्जा होने से बारिश में लोगों का पैदल चलना भी खतरे से खाली नहीं है. नाला, गटर की ठीक से सफाई नहीं होने से बारिश में कचरा सड़कों पर बहकर चारों तरफ गंदगी फैला रहा है. सड़कों पर जगह जगह हुए भारी गड्ढों में पानी भरने से वाहनों को सड़क नहीं दिखाई पड़ रही है. आलम यह है कि, प्रतिदिन दर्जनों दुपहिया चालक गड्ढों में गिरकर चोटिल हो रहे हैं. शहर में चहुंओर गटर पर लगे हुए चैंबरों के ढक्कन खुले होने से लोगों का पैदल चलना भी खतरे से खाली नहीं है.

भिवंडी शहर समस्या का शहर

मनपा अंतर्गत नालों, गटरों की साफ सफाई नहीं होने से गोपाल नगर, टोरेंट पावर आफिस के सामने, घूंघट नगर, तीन बत्ती, नवी बस्ती, आजमी नगर, महाडा कालोनी, फेना पाड़ा, कामतघर, ओसवाल वाडी, तीन बत्ती आदि क्षेत्रों में बरसात में अक्सर जलजमाव होता रहता है. मनपा प्रशासन द्वारा नागरिकों की मूलभूत समस्याओं पर अपेक्षित ध्यान नहीं देने से लोगों को भारी तकलीफ उठानी पड़ रही है. यातायात जाम से इमरजेंसी सेवाएं भी रेंग कर चलती हैं जिससे कई बार मरीजों की जान पर बन आती है. शहर के सिग्नल बंद से ट्रैफिक जाम होना और सड़क हादसे होना आम बात है. शहर के नागरिक भिवंडी शहर की बदहाली से तंग आकर अन्य शहरों की तरफ रुख करने लगे हैं.

शहर की तमाम सड़कें गड्ढा, कीचड़, मिट्टी से भरी होने से बाइक सवार फिसलकर घायल हो रहे हैं. फ्लाईओवर की टूटी पाइपों से गंदा पानी गिरकर राहगीरों के चेहरे एवम कपड़े खराब कर रहा है. भिवंडी शहर की हालत गांव से भी बदतर है.

–**मनोज सिंह**, समाजसेवक

भिवंडी प्रशासन मनपा नागरिकों को कोई भी मूलभूत सुविधा देने में अक्षम है. शहर विकास से कोसों दूर है. गड्ढा युक्त सड़क, कचरा, गंदगी, ट्रैफिक जाम भिवंडी शहर की एकमेव पहिचान बन गई है. जन समस्याओं के निदान की तरफ ध्यान देना जरूरी है.

–**अशोक कुमार फड़तरे**, वरिष्ठ कांग्रेस नेता

मनपा टैक्स चुकाने के बाद भी भिवंडी में नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिलती हैं. समूचा पावरलूम शहर अवैध निर्माण की चपेट में है और विकास कार्य पूर्णतया कार्य ठप्प है. मनपा प्रशासक को गंभीरता से ध्यान देकर समस्याओं का समाधान करना चाहिए.

– **.हाजी लाल मो .अंसारी**, पावरलूम उद्योगपति

शास्त्री नगर में अवैध निर्माण कार्य पर मनपा की तोड़क कार्रवाई

ठाणे. आयुक्त सौरभ राव के निर्देशानुसार मनपा क्षेत्र के अंतर्गत अनाधिकृत निर्माणों को तोड़क कार्रवाई मनपा की ओर से जारी है। लोकमान्य सावरकर नगर प्रभाग समिति के शास्त्री नगर नाले पर चार गालों का निर्माण अवैध रूप से शुरू किया गया था निर्माण को पूरी तरह से तोड़ दिया गया है।साथ ही इसी क्षेत्र में वरिष्ठ नागरिक कट्टा के पास, शास्त्री नगर में स्थित 8 अवैध पीलर और उनके नीचे एक सीमेंट का कोबा, साथ ही नाले के लिए बनाए गए 5 दीवारों वाले ईंट-सीमेंट के निर्माण को जेसीबी मशीनों की सहायता से ध्वस्त कर दिया।यह कार्रवाई मनपा के अतिक्रमण विभाग उपायुक्त शंकर पटोले के मार्गदर्शन में लोकमान्य सावरकर नगर प्रभाग समिति के सहायक आयुक्त सोमनाथ बनसोडे और अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति में की गई।

एमआईडीसी अधिकारियों का अजब कार्यभार

- **अधूरे निर्माण के बावजूद दी गई ओसी और फायर एनओसी**
- **दीपक काकड़िया और एमआईडीसी अधिकारियों का आर्थिक सांठगांठ**

नवी मुंबई. एमआईडीसी में भ्रष्टाचार की परतें एक बार फिर उजागर हुई हैं, और इस बार एक महिला को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। वाशी निवासी शीतल मुकुंद वाघमारे ने गंभीर आरोप लगाया है कि अधूरे निर्माण के बावजूद प्लॉट नंबर EL-183 को नियमों को ताक पर रखकर फायर NOC और OC (Occupancy Certificate) दिया गया। जब उन्होंने आरटीआई और अन्य माध्यमों से इस भ्रष्टाचार को उजागर

किया, तो जवाब में उन पर ही जबरन वसूली का झूठा केस दर्ज कर दिया गया।इसमें दीपक काकड़िया और एमआईडीसी अधिकारियों के बीच आर्थिक सांठगांठ उजागर हुआ है।

- **अधूरा निर्माण – फिर भी सरकारी मुहर?**

24 जनवरी 2025 को वाघमारे ने विशेष योजना प्राधिकरण (SPA), महापे को ईमेल कर शिकायत की थी कि प्लॉट पर निर्माण कार्य अपूर्ण है, अतः OC न दी जाए। बावजूद इसके, अधिकारियों ने न केवल शिकायत की अनदेखी की, बल्कि 3 मार्च को फायर NOC और बाद में फाइनल OC भी जारी कर दी। यह संदेहास्पद मंजूरी सीधे भ्रष्टाचार की ओर इशारा करती है।

- **नकली दस्तावेज़, फ़र्ज़ी तस्वीरें**

कार्यकारी अभियंता राजाराम राठौड़ पर आरोप है कि उन्होंने भूखंडधारक के साथ मिलीभगत कर फ़र्ज़ी तस्वीरें दिखाकर यह साबित किया कि निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जबकि जमीनी हकीकत इसके ठीक उलट थी। इस गड़बड़ी के कारण राज्य सरकार को करीब 3.5 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।वाघमारे का दावा है कि इस भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज़ उठाने की ₹सज़ा₹ उन्हें झूठे जबरन वसूली के मामले में फँसाकर दी गई। 22 मार्च की रात लगभग 11:50 बजे उनके खिलाफ तुर्भे एमआईडीसी पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज की गई, जबकि उन्होंने किसी प्रकार की आर्थिक मांग कभी नहीं की थी।उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जाँच अधिकारी API समीर चासकर ने उनका पक्ष सुने बिना ही उन्हें आरोपी बना दिया। यह पूरे मामले में पुलिस की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े करता है।

धमकी भरे कॉल्स और रिकॉर्डिंग्स

वाघमारे ने कहा कि उन्हें लगातार फोन कॉल्स के माध्यम से शिकायत वापस लेने का दबाव डाला गया। उन्होंने बताया कि जिन लोगों ने कॉल कर दबाव बनाया उनमें शामिल हैं जिसमें दीपक बांदेकर (दीपक काकड़िया के करीबी), भाजपा नेता दत्ता घांघले, पूर्व नगरसेवक राजू शिंदे, माधुरी काले और महेश पाटिल का समावेश है इन कॉल्स की रिकॉर्डिंग उनके पास मौजूद है। शीतल वाघमारे की माँग है कि जबरन वसूली का झूठा केस तुरंत रद्द किया जाए। API समीर चासकर से जाँच हटाकर स्वतंत्र अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी जाए। MIDC अधिकारियों की मिलीभगत की स्वतंत्र जांच की जाए। दीपक काकड़िया और उनके सहयोगियों पर वित्तीय अनियमितताओं के लिए आपराधिक मामला दर्ज किया जाए।

ठाणे कोपरी स्थित गैराज में भीषण आग

ठाणे. ठाणे पूर्व के कोपरी क्लॉथ मार्केट इलाके में स्थित सोनू ऑटो पार्ट्स एंड गैराज में भीषण आग लग गई। मोहम्मद शकील के स्वामित्व वाला यह गैराज सुबह करीब 8 बजे आग की लपटों में घिर गया। सबसे पहले स्थानीय निवासी रितेश जाधव ने इसकी सूचना दी। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रकोष्ठ की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग से छह कबाड़ दोपहिया वाहन, अलमारियाँ, इंजन ऑयल के डिब्बे, रैक और पूरी बिजली की वायरिंग व्यवस्था नष्ट हो गई। आपातकालीन प्रतिक्रिया त्वरित थी। रिपोर्ट के अनुसार, दमकल की गाड़ियाँ, एक बचाव वाहन, एक पानी का टैंकर और एक जेसीबी मशीन घटनास्थल पर भेजी गईं। आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, कोपरी पुलिस, एमएसईबी और स्थानीय दमकल केंद्र की टीमों ने मिलकर स्थिति पर काबू पाया।

मिस्ट्री मैन के साथ नजर आईं उर्वशी

भिनेत्री उर्वशी रौतेला सुर्खियों में रहना बखूबी जानती हैं. वे अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अक्सर चर्चा में आ जाती हैं. एक बार फिर ऐसा हुआ है. दरअसल, उर्वशी विंबलडन 2025 में पहुंचीं. वे बॉबी डॉल बनकर पहुंचीं. दिलचस्प बात यह है कि वे यहां मिस्ट्री मैन के साथ नजर आई हैं, जिसके बाद फैंस पूछ रहे हैं कि आखिर वह शख्स कौन है?

वेल्स की राजकुमारी से मिलीं उर्वशी रौतेला

उर्वशी रौतेला ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से आज रविवार को एक पोस्ट शेयर किया है. उन्होंने विंबलडन से अपनी झलकियां शेयर की हैं. उर्वशी ने इसके साथ बताया कि वहां उनकी मुलाकात राजकुमारी केट मिडलटन से हुई. उर्वशी ने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है, 'वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन आपसे मिलना सचमुच सम्मान की बात है. आपसे मिलना शानदार रहा'.

कौन है उर्वशी के साथ मिस्ट्री मैन?

इसके अलावा उर्वशी ने एक तस्वीर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी शेयर की है. वे पोज देती नजर आ रही हैं और उनके बराबर में एक शख्स खड़ा है. अभिनेत्री ने शख्स का चेहरा व्हाइट हार्ट इमोजी से हाइड कर दिया है. उर्वशी की यह फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई है. फैंस जानने के लिए उत्सुक हैं कि जिस शख्स का चेहरा छिपाया गया है, आखिर वह मिस्ट्री मैन कौन है?

चार लाबुबु डॉल लेकर पहुंचीं उर्वशी

उर्वशी रौतेला व्हाइट कलर की ड्रेस में बार्बी डॉल वाले लुक में विंबलडन में पहुंची हैं. उनका स्टाइल तो चर्चा में है ही, साथ ही उनके बैग में लगीं चार लाबुबु डॉल ने भी लाइमलाइट चुरा ली है. उर्वशी के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें बीते दिनों सनी देओल की फिल्म 'जाट' में देखा गया था.

उत्कृष्ट पत्रकारिता पुरस्कार 2024

प्रविष्टियाँ भेजने की अंतिम तिथि 19 जुलाई तक बढ़ाई गई

ठाणे. सूचना एवं जनसंपर्क महानिदेशालय ने उत्कृष्ट पत्रकारिता, उत्कृष्ट लेखन, उत्कृष्ट टेलीविजन समाचार, उत्कृष्ट फोटोग्राफर, सोशल मीडिया और स्वच्छता अभियानों पर जन जागरूकता लेखन के लिए एक पुरस्कार प्रतियोगिता की घोषणा की है।इस प्रतियोगिता के लिए 1 जनवरी 2024 से 31 दिसंबर, 2024 के बीच प्रकाशित लेखों/फोटोग्राफों/समाचारों से प्रविष्टियाँ आमंत्रित की गई हैं। प्रविष्टियाँ भेजने की अंतिम तिथि 31 जनवरी, 2025 थी।अब इस पुरस्कार के लिए प्रविष्टियाँ आमंत्रित करने की अंतिम तिथि 19 जुलाई तक बढ़ाई जा रही है।राज्य के विभिन्न भागों के उम्मीदवारों को संबंधित जिला सूचना कार्यालय से निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र प्राप्त करना चाहिए और मुंबई शहर तथा मुंबई उपनगरीय जिलों के उम्मीदवारों को सूचना एवं जनसंपर्क महानिदेशालय, भूतल, हुतात्मा राजगुरु चौक, मैडम कामा मार्ग, मंत्रालय, मुंबई-32 से आवेदन पत्र प्राप्त करना चाहिए। आवेदन पत्र वेबसाइट http://dgipr.maharashtra.gov.in/ पर उपलब्ध हैं।

शिवमंदिरों में हर-हर महादेव की गूंज

भिवंडी. पवित्र सावन माह शुरू है. शिव भक्त गण शिवमन्दिर में जाकर भगवान शिव को पुष्प, जल अर्पित कर खुशहाली की प्रार्थना कर रहे हैं. शहर स्थित तमाम शिव मंदिरों में जय शिवशंकर, हर हर महादेव की गूंज सुनाई पड़ रही है. सावन के प्रथम सोमवार को सुबह से ही शिव भक्त महिलाएं, पुरुष घर से पूजा की सामग्री और शिव भगवान को जल अर्पित करने किए तांबे का लोटा हाथों में लिए हुए शिवमन्दिर जाते हुए भारी संख्या में दिखाई पड़ पड़े.

भिवंडी में सावन माह की शुरुआत से ही शिवमन्दिर कमेटी द्वारा भव्यता से सजाए गए हैं. शिवमंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ पूजा, अर्चना कर सुबह शाम हर हर महादेव का जयकारा लगाते हुए दिखाई पड़ती है. सावन के प्रथम सोमवार शहर स्थित प्रसिद्ध रामेश्वर मंदिर तथा मानसरोवर, वराला देवी तालाब परिसर स्थित शिव मंदिर, नीलकंठ मंदिर, खड़बड़ेश्वर शिव मंदिर, अंजूरफाटा स्थित शिव मंदिर, भिवंडी कल्याण मार्ग स्थित शिवमन्दिर, मंडई स्थित शिव मंदिर सहित ग्रामीण भाग स्थित शिव मंदिरों में सुबह से ही शिव भक्त महिला, पुरुषों ने पूजा, अर्चना कर जयकारे लगाकर भगवान भोले भंडारी शिव बाबा की विधिवत पूजा, अर्चना किया. रामेश्वर मंदिर में भक्तों की मंडली द्वारा गौ माता की भी पूजा की गई. रामेश्वर मंदिर मुख्य ट्रस्टी समाजसेवक अशोक कुमार फड़तरे द्वारा मंदिर परिसर में साफ सफाई, मंदिर की भव्य सजावट की पुख्ता व्यवस्था की गई है. भक्त गण कतार बद्ध होकर भगवान शिवशंकर की पूजा करते दिखाई पड़े.

ड्राइवर चाहिए

NTG Logistics Pvt. Ltd. कंपनी में EICHER 6 व्हील के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है।

लाइसेंस : वैध हैवी ड्राइविंग लाइसेंस होना चाहिए।
अनुभवी, भरोसेमंद, और जिम्मेदार ड्राइवर को प्राथमिकता दी जाएगी। मुंबई से कोल्हापुर चलना है डेली
वेतन : मासिक वेतन 25,000 और 300 भत्ता

संपर्क करें : 9201271717 , 8982611731

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

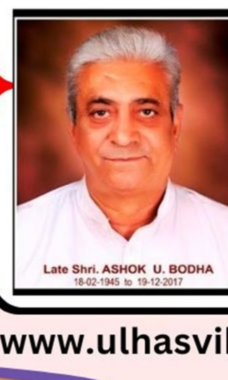

Late Shri. ASHOK U. BODHA 18-02-1945 to 19-12-2017

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985

www.ulhasvikas.com epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha L.L.B., BMM, MA (PS)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099